04 - बुद्ध ने कहा-इन्हें क्षमा कर दो

05 - मोदीजी के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के बेमिसाल 24 साल

06 - एनएचएआई ने कुंडी टोल प्लाजा पर घटाया टोल टैक्स

07 - किसानों की दुगुनी आमदनी का रास्ता पशुपालन से संभव...

सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

भोपाल

शुक्रवार, 10 अक्टूबर, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 42, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पाकिस्तान ने सेंट्रल एशिया में एक नया खेल शुरू किया है

केशव पद्मनाभन

पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड जे. ट्रंप को लुभाने के लिए अपनी नई कोशिश की है। यह कोशिश उसके महत्वपूर्ण खनिज भंडार (क्रिटिकल मिनरल्स) और बलूचिस्तान प्रांत के पासनी में संभावित 1.2 अरब डॉलर के बंदरगाह के जरिए है।

पासनी, अरबी सागर के किनारे एक मछली पकड़ने का बंदरगाह है। यह ग्वादर पोर्ट से लगभग 100 किलोमीटर और पाकिस्तान-ईरान सीमा से लगभग 200 किलोमीटर दूर है। इसे एक संभावित व्यावसायिक बंदरगाह के रूप में प्रस्तावित किया गया है, जो अमेरिका को बलूचिस्तान से तांबा और एंटिमनी जैसे कई क्रिटिकल मिनरल्स तक पहुंच दे सकता है। ये दोनों मिनरल्स बैटरियां और मिसाइल बनाने में जरूरी हैं, फाइनेंशियल टाइम्स ने रिपोर्ट ने अपनी रिपोर्ट में बताया।

पासनी का रणनीतिक स्थान और ग्वादर में चीन द्वारा बनाए गए पोर्ट के करीब होना इस बात का नवीनतम तरीका है, जिससे इस्लामाबाद वर्तमान ट्रंप प्रशासन का समर्थन पाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान और अमेरिका के बीच रिश्तों में हाल के महीनों में भारी बदलाव आया है, खासकर पहलगाम आतंक हमले के बाद भारत के साथ 87 घंटे के संघर्ष के बाद।

क्रिप्टोकरेंसी डील साइन करने से लेकर ट्रंप को भारत के साथ संघर्ष समाप्त करने का श्रेय देने और नोबेल शांति पुरस्कार के लिए उनके नाम का प्रस्ताव देने तक, पाकिस्तानी कूटनीति वाइट हाउस में समर्थन पाने के लिए पूरी तरह सक्रिय रही है। हाल के हफ्तों में, इस्लामाबाद ने गाजा के लिए ट्रंप की शांति योजना का समर्थन किया है और अफगानिस्तान में आईएसआईएस-खोरासान के खिलाफ सुरक्षा मामलों में गहरी भागीदारी को बढ़ावा दिया है। पिछले महीने, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने फील्ड मार्शल आसिम मुनिर के साथ व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की, जहां पाकिस्तानी नेतृत्व ने अमेरिकी प्रशासन को खनिज के नमूने सौंपे।

साथ ही, इस्लामाबाद ने नई दिल्ली और वॉशिंगटन डी.सी. के बीच संबंधों में दूरी बनाने की कोशिश की है, खासकर मई में भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ संघर्ष समाप्त करने में ट्रंप की भूमिका को अस्वीकार करने के बाद। इसके अलावा, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत के दौरान सख्त रेखाएं खींची गईं, जिससे ट्रंप को निराशा हुई।

ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत तक के टैरिफ लगाए, जो किसी भी अमेरिकी व्यापारिक साझेदार के खिलाफ सबसे अधिक हैं। हालांकि, पिछले महीने एक आंशिक नरमी देखी गई जब ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके 75वें जन्मदिन के अवसर पर बात की।

पाकिस्तान अमेरिका को लुभाने के लिए अब हाल ही में क्रिटिकल मिनरल्स यानी महत्वपूर्ण खनिजों के रास्ते पर उतर गया है। ट्रंप 2025 में व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही क्रिटिकल मिनरल्स के लिए डील्स करना चाहते हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ने के कारण क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स की मांग बढ़ गई है। ग्रीनलैंड को खरीदने का दबाव देना, जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है और जिसमें क्रिटिकल मिनरल्स और REEs हैं, से लेकर यूक्रेन के साथ क्रिटिकल मिनरल्स पर डील साइन करना, ट्रंप प्रशासन ने इन संसाधनों तक अपनी पहुंच बढ़ाने में रुचि दिखाई है।

रेयर अर्थ एलिमेंट्स 17 धातु तत्वों का समूह हैं, जो बैटरी, संचार उपकरण, सेमीकंडक्टर और रक्षा सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों में इस्तेमाल होते हैं। ये तत्व आम हैं, लेकिन इन्हें निकालना और शुद्ध करना बहुत जटिल और महंगा है। चीन ने क्रिटिकल मिनरल्स और REEs के उत्पादन पर मजबूत पकड़ बनाई है।

पाकिस्तान और अमेरिका पहले कोल्ड वार के सहयोगी थे और बाद में अमेरिका के आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में साझेदार बने। हालांकि, बिन लादेन की पाकिस्तान में मौजूदगी और अमेरिका के चीन प्रबंधन के कारण हाल के वर्षों में रिश्ते कमजोर हुए। पाकिस्तान ने चीन के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखे, जहां बीजिंग ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर (CPEC) बनाया, जो खनिजों से समृद्ध बलोचिस्तान को अरब सागर में अपने ग्वादर पोर्ट से जोड़ता है।

अमेरिका ने भारत की ओर रुख किया और पिछले कुछ वर्षों में नई दिल्ली और वाशिंगटन के रिश्ते मजबूत हुए। हालांकि, ट्रम्प के आने के बाद दक्षिण एशिया में अमेरिकी कूटनीति बदल गई, क्योंकि उन्होंने खुलकर मुनीर का समर्थन किया। 2018 में अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने पाकिस्तान पर हमला बोला था और कहा था कि पाकिस्तान ने अमेरिका को 'सिर्फ झूठ और धोखा' दिया।

पाकिस्तान ने हाल के महीनों में स्थिति बदलने का अवसर देखा। पिछले महीने पाकिस्तान ने मिसूरी, अमेरिका में स्थापित कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (USSM) के साथ 50 करोड़ डॉलर का समझौता ज्ञापन (MoU) साइन किया, जिसमें शरीफ और मुनीर दोनों मौजूद थे। इस्लामाबाद में अमेरिका की चार्ज़ डि'अफेयर्स नैटली बेकर ने इस समझौते पर कहा- 'खुशी है कि SSM जैसी अमेरिकी कंपनियां पाकिस्तान के साथ आर्थिक संबंध मजबूत कर रही हैं। SSM का इस्लामाबाद दौरा महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि वे क्रिटिकल मिनरल्स उत्पादन पर सहयोग के लिए MoU साइन कर रहे हैं। यह दोनों देशों के लिए भविष्य में बड़े अवसर वाला साझेदारी है।'

यूएस और पाकिस्तान के बीच खनन क्षेत्र में संभावित साझेदारी ट्रंप के उस वादे का भी हिस्सा है, जिसमें उन्होंने इस्लामाबाद की तेल और पेट्रोलियम उद्योग को विकसित करने का आश्वासन दिया था।

अरब सागर के किनारे स्थित मछली पकड़ने वाला शहर पास्नी अगर गहरे समुद्री बंदरगाह के रूप में विकसित किया गया, तो इससे अमेरिका को मध्य एशिया तक पहुँचने का रास्ता मिलेगा, जिससे ईरान और चीन को बायपास किया जा सकेगा। बलोचिस्तान कम से कम दो बड़ी तांबा खदानें हैं–सैंडक, जिसे मेटलर्जिकल कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना (MCC) चला रही है और रेको दीक में योजना बद्ध खनन कार्य, जिसे दुनिया के सबसे बड़े तांबा और सोने के भंडारों में से एक माना जाता है।

हालांकि, अमेरिका की रुचि और क्षेत्र में चीन की मौजूदगी स्थिति बदल सकती है। पास्नी बंदरगाह अमेरिका को निवेशकों से रुचि दिखाने का संभावित अवसर देगा। इसके अलावा, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफगानिस्तान ने 17 जुलाई को त्रिपक्षीय ढांचा घोषित किया, जो उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद को खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर से जोड़ता है। पास्नी में अपनी बंदरगाह वाली रेल लाइन वाशिंगटन, डी.सी. को अफगानिस्तान की खनिज संपदा तक पहुंचने का मौका देगी बिना अन्य रास्तों पर निर्भर हुए।

यह भारत के लिए भी कठिन स्थिति खड़ी करता है क्योंकि नई दिल्ली लंबे समय से चाबहार, ईरान में बंदरगाह परियोजना को अफगानिस्तान से जोड़ने का तरीका बताती रही है, जिससे पाकिस्तान को बायपास किया जा सके। ट्रंप टैरिफ प्रशासन ने पिछले महीने भारत को चाबहार चलाने के लिए दी गई प्रतिबंध रियायत रद्द कर दी है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

तालिबान सरकार के विदेश मंत्री पहली बार पहुंचे भारत

- 7 दिन यहीं रहेंगे, जयशंकर से मुलाकात के पहले सस्पेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी गुरुवार को एक हफ्ते की यात्रा पर दिल्ली पहुंचे। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद काबुल से दिल्ली तक यह पहली मंत्री स्तर की यात्रा है। विदेश मंत्रालय के

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट किया,अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्ताकी का नई दिल्ली पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत है। हम उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत के लिए उत्सुक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मुत्ताकी की यात्रा के दौरान भारतीय विदेश मंत्रालय के सामने एक कूटनीतिक समस्या पैदा हो गई है। दरअसल, मुत्ताकी की शुक्रवार को विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात हो सकती है।

ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में खोलेंगी कैंपस

- ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मुंबई में कर दिया बड़ा ऐलान
- मोदी बोले-भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में हुई है बड़ी प्रगति
- वायुसेना के ट्रेनर ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स को देंगे ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मुंबई में यह ऐलान किया। मोदी ने कहा कि स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में प्रगति हुई है। इस साल जुलाई में लंदन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच आयात आसान होगा। इससे कारोबार बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। दोनों नेताओं ने इंडो-पेसिफिक, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा की। वहीं, रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन ने सैन्य प्रशिक्षण समझौता किया है, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग प्रशिक्षक अब ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स में ट्रेनर के रूप में काम करेंगे।

- **मोदी ने स्टार्मर के साथ विजन 2035 की घोषणा की-** मोदी ने कहा कि सभी ने भारत की फिनटेक (डिजिटल वित्तीय सेवाओं) क्षेत्र में क्षमता देखी है। आज लगभग आधे दुनिया के रियल-टाइम डिजिटल लेनदेन भारत में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के वित्तीय सेवाओं का अनुभव और भारत का डिजिटल प्लेटफॉर्म मिलकर पूरे मानवता के लिए फायदेमंद हो सकता है।

टार्मर बोले-

हमने भारत-ब्रिटेन के निवेशकों को एकजुट किया- हमने भारत और ब्रिटेन के व्यापार और निवेशकों को एक साथ बुलाया। ताकि वे एक-दूसरे से मिल सकें, बातचीत कर सकें और अपने आइडिया साझा कर सकें। पिछले दो दिनों में मैंने देखा कि लोग छोटे-छोटे ग्रुप में, खाने-पीने के दौरान या अलग-अलग जगहों पर बातें कर रहे थे। यह हमारे लिए बहुत उत्साहजनक अनुभव रहा। मुझे लगता है कि यह वही काम है जो हमने पहले चेकर्स में शुरू किया था। मैंने इसे दो हिस्सों वाला काम समझा है।

परमाणु ऊर्जा को निजी कंपनियों के लिए खोला जाएगा

भारत-यूके फोरम में पीएम मोदी ने कहा अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे भारत-यूके सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के अवसर मिलेंगे। मोदी ने यह भी कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास उनकी प्राथमिकता है। भारत अगले पीढ़ी के भौतिक ढांचे में निवेश कर रहा है और 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और यूके मिलकर दुनिया के लिए नए मानक स्थापित कर सकते हैं। जैसा कि मैंने पिछले दो दिनों में कई बार कहा, यह ट्रेड डील सिर्फ लिखित समझौता नहीं है। यह बताती है कि व्यापार में मुश्किलों को कैसे कम किया जाएगा, चाहे वो टैक्स (टैरिफ) हों या दूसरी तरह की रुकावटें। जब मैं यहां लोगों की बातचीत और जोश देखता हूं, तो मुझे याद आता है कि हमने अभी तक एफटीए को पूरी तरह लागू नहीं किया है। यह दिखाता है कि समझौते का महत्व भी है।

सुप्रभात

हम दो जन पढ़ते हैं
एक ही किताब

रहते हैं दोनों
एक ही घर में

नहाते हैं,कपड़े धोते हैं
एक ही बाथरूम में

एक ही किचन है
जिसमें दोनों का खाना
एक साथ बनता है
वहीं एक टेबल पर
खाते हैं खाना
दोनों एक साथ

सुबह होती है
फिर दोपहर और शाम
उसके बाद आती है रात
दोनों के लिए एक साथ

अविभाज्य है
जैविक क्रियाएं दोनों की

फिर उसने जो कहा
सुना मैंने
मैंने भी जो कहा
सुना उसने

फिर दोनों के बीच
कहासुनी हो गई।

- अरुण सातले

बिहार में अब सरकारी नौकरी वोटरों की 'दुखती' रग पर हाथ

- तेजस्वी यादव का बड़ा दांव, एनडीए पर चला दिया 'ब्रह्मास्त्र'

पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनावी संग्राम के बीच तेजस्वी यादव ने सरकारी नौकरी वाला दांव खेल दिया है। आरजेडी की तरफ से सीएम चेहरा बने तेजस्वी ने ऐलान किया है कि अगर सरकार बनती है तो 20 महीने में हर घर से एक आदमी को सरकारी नौकरी देने का कानून बनाया जाएगा। पूर्व डिप्टी सीएम रहे तेजस्वी का ऐलान मास्टरस्ट्रोक साबित हो सकता है, क्योंकि बिहार में बेरोजगारी और पलायन बड़ा मुद्दा रहा है। 20 साल से बिहार की सत्ता पर काबिज नीतीश कुमार और एनडीए के लिए इस दांव का जवाब तलाश करना आसान नहीं है।

- **18-30 आयु वर्ग के वोटर सीधे तेजस्वी के निशाने पर-** आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण 22 की रिपोर्ट के अनुसार तीन साल पहले तक बिहार में बेरोजगारी दर 6 फीसदी थी जो नेशनल रेश्यो 4.1 से अधिक थी। बेरोजगार युवाओं में सबसे अधिक 18-29 वर्ष आयु वर्ग के हैं, जो चुनाव में बड़ा रोल निभाने वाले हैं। इस कैटेगरी में बेरोजगारी दर 20.1 फीसदी है। कहीं न कही बिहार की बेरोजगारी से ही पलायन का मुद्दा जुड़ा है, जिस पर प्रशांत किशोर भी हमलावर रहे हैं। बिहार की सात फीसदी आबादी हर साल पलायन करती है।

भारत का आईएनएस त्रिकंड पहुंचा मुस्लिम देश मिस्र

स्टील्थ फ्रिगेट को देख जल-भुन उठेंगे पाकिस्तान और तुर्की

सफागा (एजेंसी)। भारतीय नौसेना का स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस त्रिकंड मिस्र के पोर्ट सफागा पहुंचा हुआ है। ऑपरेशनल तैनाती के तहत आईएनएस त्रिकंड मिस्र ने 6-8 अक्टूबर तक दौरा किया। इस दौरान भारत के मिस्र स्थित राजदूत एसके रेड्डी ने पोत के चालक दल के साथ बातचीत की। मिस्र और भारत के बीच रक्षा संबंध सौहार्द्रपूर्ण हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, मिस्र भारतीय विमानों और नौसैनिक जहाजों के यूरोप और अटलांटिक क्षेत्र में ओवरहाल या सैन्य अभ्यास के दौरान आने-जाने का प्रमुख मार्ग रहा है।

20 हजार के इनाम के बाद सिरप कंपनी डायरेक्टर गिरफ्तार

सीएम डॉ.यादव नागपुर एम्स पहुँचे, पीड़ित परिजनों और उपचाररत बच्चों की स्वास्थ्य जानकारी ली

भोपाल/छिंदवाड़ा (नप्र)। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन की गिरफ्तारी हो गई है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी की टीम ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा। एसआईटी ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नागपुर के एम्स हॉस्पिटल पहुंचे और उपचाररत बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नागपुर के एम्स हॉस्पिटल पहुंचे और उपचाररत बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के बाद परिजन से चर्चा की।

रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित उसका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था। छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने बताया कि एसआईटी, रंगनाथन को चेन्नई के सैदापेट में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। उसकी ट्रांजिट रिमांड मांगी जाएगी। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा। वहीं, मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई कर सकता है। वकील विशाल तिवारी की याचिका में इस मामले की जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराए जाने की मांग की गई है।

सीएम ने बच्चों का हाल जाना

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज नागपुर पहुंचे। सीएम ने वहां के अस्पतालों में भर्ती चारों बच्चों का हाल जाना। उनके परिजन से बात की। इनमें से गार्विक पवार नागपुर मेडिकल कॉलेज में, अंबिका विश्वकर्मा न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल जबकि कुणाल यदुवंशी और हर्ष यदुवंशी नागपुर एम्स में इलाज करा रहे हैं।

सीएम बोले- तमिलनाडु सरकार सहयोग नहीं कर रही

बच्चों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा- एमपी पुलिस ने तमिलनाडु में गिरफ्तारी की है, लेकिन तमिलनाडु सरकार हमारा सहयोग नहीं कर रही है। इसकी पूरी जिम्मेदारी दवा कंपनी की होती है। हमने भी ड्रग कंट्रोलर को हटाया, असिस्टेंट कंट्रोलर को सस्पेंड किया। सिरप लिखने वाले डॉक्टर पर कार्रवाई की।

हमारी सरकार किसी को छोड़ने वाली नहीं है

सीएम डॉ. यादव ने कहा- मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कह सकते हैं कि मूल रूप से ट्रीटमेंट के दौरान दी गई दवाई की ही गलती है, जो मैन्युफैक्चरिंग मिस्टेक है। तमिलनाडु से रिपोर्ट आते ही हमने कंपनी को बैन किया, वहां से भी बैन हुआ है। हमारी सरकार किसी छोड़ने वाली नहीं है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

एसआईआर पर कुछ दल नैरेटिव सेट करना चाहते हैं

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में सुनवाई के दौरान, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने एक बड़ा आरोप लगाया। चुनाव आयोग ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल और एजेंसियां चुनाव निकाय के चल रहे प्रयासों में सहयोग करने के बजाय जनता की धारणा को आकार देने का प्रयास कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने सीधे-सीधे आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल नैरेटिव सेट करना चाहते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि ये समूह चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित करने में हमारी मदद नहीं कर रहे हैं। साथ ही, केवल एक कहानी गढ़ने पर

ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आयोग की यह तीखी टिप्पणी आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची संशोधन और सत्यापन कार्यों की समीक्षा के बीच आई है। वहीं, याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि ईसीआई के पुनरीक्षण अभ्यास में पर्याप्त सुरक्षा उपायों का अभाव है। इससे मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से हटाए जा सकते हैं। इससे राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए खतरा पैदा हो सकता है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा था कि चुनाव आयोग बिहार की विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया के बाद तैयार अंतिम मतदाता सूची से बाहर किये गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उसे उपलब्ध कराए। चुनाव आयोग ने न्यायालय को सूचित किया था कि जोड़े गए अधिकांश नाम नए मतदाताओं के हैं। इसके बाद अब तक सूची से बाहर किये गए किसी भी मतदाता ने कोई शिकायत या अपील दायर नहीं की है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग सभी जानकारी दे।

हंगरी के लेखक लास्जलो को मिला साहित्य का नोबेल

● 10 करोड़ और गोल्ड मेडल मिलेगा, भारतीय मूल के सलमान रुश्दी चूके

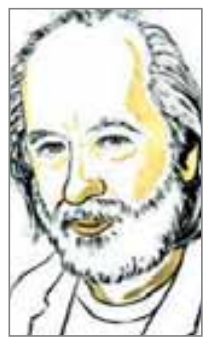

स्टॉकहोम (एजेंसी)। इस साल साहित्य का नोबेल हंगरी के लेखक लास्जलो क्रास्नाहोरकाई को मिला है। स्वीडन की स्वीडिश एकेडमी ने इसका ऐलान किया। स्वीडिश अकादमी ने कहा कि उनकी रचनाएं बहुत प्रभावशाली और दूरदर्शी हैं। वे दुनिया में तबाही और डर के बीच भी कला की ताकत को दिखाती हैं। लास्जलो क्रास्नाहोरकाई डीप थिंकिंग वाली उदास कहानियां लिखते हैं। उनकी किताबें सैटानटैंगो और द मेलांकली ऑफ रेसिस्टेंस पर फिल्में बन चुकी हैं। विजेता को 11 मिलियन स्वीडिश क्रोना (10.3 करोड़ रुपए), सोने का मेडल और सर्टिफिकेट मिलेगा। पुरस्कार 10 दिसंबर को स्टॉकहोम में दिए जाएंगे। भारतीय मूल के सलमान रुश्दी भी इस बार नोबेल की रेस में थे। लैडब्रोक्स से जुड़े एलेक्स अपति ने गार्डियन से कहा कि इस बार रेस टक्कर की है। पिछले साल कैन शुए सबसे आगे थीं।

सीजेआई अटैक मामला

आरोपी वकील की बार एसोसिएशन मेंबरशिप खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने गुरुवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई पर हमले की कोशिश करने वाले वकील राकेश किशोर (71) की मेंबरशिप तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी। एससीबीए ने कहा कि वकील का व्यवहार पेशेवर नैतिकता, शिष्टाचार और सुप्रीम कोर्ट की गरिमा का गंभीर उल्लंघन है। वहीं, बेंगलुरु में ऑल इंडिया एडवोकेट एसोसिएशन ने राकेश किशोर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। बेंगलुरु पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 और 133 के तहत एफआईआर दर्ज की है। सीजेआई गवई, वकील के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने से इनकार कर चुके हैं। राकेश ने 6 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट के अंदर सीजेआई गवई पर जूता फेंकने की कोशिश की थी। जूता सीजेआई तक नहीं पहुंच सका था। घटना के समय सीजेआई की बेंच एक मामले की सुनवाई कर रही थी। सुरक्षाकर्मियों ने वकील को पकड़कर बाहर किया। इस दौरान उसने नारे लगाए- सनातन का अपमान, नहीं सहेंगे।

2022 से पहले भ्रूण फ्रीज तो सरोगेसी कानून से छूट

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा-मां-बाप कौन बनेगा, यह सरकार तय नहीं कर सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि 2022 से पहले अगर महिला ने भ्रूण (फर्टिलाइज एग्स) फ्रीज करा दिया है तो उसे सरोगेसी कानून के तहत एज लिमिट से छूट मिल सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सरकार की तरफ से बढ़ती उम्र को चिंता का कारण बताने पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा- कौन मां-बाप बन सकता है, ये सरकार तय नहीं कर सकती क्योंकि नेचुरल प्रोसेस में भी कोई एज लिमिट नहीं है। दरअसल यह पूरा मामला सरोगेसी कानून 2021 से

जुड़ा है, जो जनवरी 2022 में लागू हुआ था। कानून के मुताबिक, जिन पुरुष की आयु 26-55 साल और महिला की आयु 23-50 साल के बीच है, उन्हीं को सरोगेसी की परमीशन होगी। इस कानून के खिलाफ कई याचिकाएं लगाई गईं। मुख्य याचिकाकर्ता चेन्नई बेस्ड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ अरुण मुथुवेल हैं, जिन्होंने कमर्शियल सरोगेसी पर बैन हटाने की भी मांग की थी। कोर्ट ने महीनों चली सुनवाई के बाद जुलाई 2025 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। कानून बनने से पहले दंपत्तियों ने जब अपना भ्रूण फ्रीज कराया तब कोई कानूनी उम्र सीमा लागू नहीं थी।

ओबीसी आरक्षण मामला, सॉलिसिटर जनरल ने फिर मांगा टाइम

13 प्रतिशत होल्ड हटाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट अब नवंबर के पहले हफ्ते में करेगा सुनवाई

भोपाल (नप्र)। एमपी में कमलनाथ सरकार द्वारा ओबीसी वर्ग को दिए गए 27 प्रतिशत आरक्षण के मामले में आज फिर सुनवाई टल गई। सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले में और वक्त देने की मांग रखी। मेहता ने कोर्ट से कहा कि इसमें कई तकनीकी पक्ष हैं जिनको समझने के लिए थोड़े और समय की जरूरत है। अब इस मामले की सुनवाई अगले महीने (नवंबर) के पहले हफ्ते में होगी।

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि इस मामले को हम एमपी हाईकोर्ट वापस भेज देते हैं। क्योंकि, इस मामले में हाईकोर्ट का कोई फैसला नहीं है। यदि हाईकोर्ट का कोई निर्णय होता तो उसके आधार पर हमें निर्णय करने में आसानी होती। ऐसे में हम इस मामले में अंतरिम आदेश को वैकेट करते हुए इन मामलों को हाईकोर्ट वापस भेजने पर विचार करेंगे। क्योंकि, हाईकोर्ट को राज्य की डेमोग्राफी, टोपोग्राफी और इस मसले से जुड़े तमाम पहलू बेहतर तरीके से पता हैं।

पूर्व सीएम बोले- बार-बार वक्त क्यों मांगा जा रहा- ओबीसी आरक्षण मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने लिखा, मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण का मामला अब सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में है, लेकिन सवाल यह है कि आखिर सरकार बार-बार वक्त क्यों मांग रही है? पिछली सुनवाई में भी सरकार पूरी तैयारी के साथ नहीं पहुंची थी और अब एक बार फिर वही बहाना दोहराया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने खुद सरकार की मंशा और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। दरअसल, यह साफ दिख रहा है कि मध्यप्रदेश की बीजेपी सरकार ओबीसी समाज को 27 प्रतिशत आरक्षण देना ही नहीं चाहती। जो हक कांग्रेस सरकार ने दिलाया था, वही हक बीजेपी ने छीन लिया।

87:13 फॉर्मूला को अस्वीकार करना- एमपी हाई कोर्ट की एक डिवीजन बेंच ने 28 जनवरी 2025 को यह निर्णय दिया कि 87:13 फॉर्मूले के आधार पर आरक्षण लागू करना न्यायसंगत नहीं है और इस प्रकार 27 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने की राह को अवरुद्ध करने वाले इस फॉर्मूले को खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट ने आरक्षण बढ़ाने पर लगा दिया था स्टे- पुरानी स्थितियों में, जब पहली बार 2019 में 14% से 27% आरक्षण करने का निर्णय लिया गया था, तब हाई कोर्ट ने उस वृद्धि पर अस्थाई रोक लगा दी थी। क्योंकि यह माना गया था कि कुल आरक्षण सीमा (50 प्रतिशत) की सीमा से अधिक हो सकती है।

लेकिन बाद में, हाई कोर्ट ने उन याचिकाओं को खारिज किया जो 27 प्रतिशत आरक्षण के विरोध में थीं और कहा कि वे नाट मेनटेनेबल थीं क्योंकि वे मूल संशोधन कानून को ही नहीं चुनौती दे रही थीं।

भर्ती प्रक्रियाओं और आरक्षण को लेकर आदेश- हाई कोर्ट ने यह निर्देश दिया कि रुकी हुए भर्तियों को आगे बढ़ाया जाए और 13 जी अतिरिक्त ओबीसी आरक्षण (जो 14जी से 27जी तक का बढ़ा हुआ हिस्सा है) उन भर्ती प्रक्रियाओं में लागू किया जाए, जब तक कि अपर कोर्ट द्वारा अंतिम निर्णय नहीं होता।

टैरिफ को जीरो करो और भारत संग बिगड़े रिश्तों को सुधारो

● 19 अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखा खत

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारत पर मोटा टैरिफ लगाकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश में ही कड़ी आलोचना झेल रहे हैं। कई अमेरिकी सांसदों और विशेषज्ञों ने ट्रंप के इस कदम को अमेरिका के लिए आत्मघाती बताया है। इस बीच अब अमेरिकी सांसदों के एक समूह ने एक सुर में डोनाल्ड ट्रंप को भारत से रिश्ते सुधारने की बात कही है। हाल ही में अमेरिका के 19 सांसदों के एक समूह ने डोनाल्ड ट्रंप को एक चिट्ठी लिखकर भारत के साथ बिगड़े रिश्ते तुरंत सुधारने और भारत पर लगाए गए टैरिफ को वापस लेने की अपील की। सांसदों ने यह चिट्ठी सांसद डेबोरा रॉस और रो खन्ना की अगुवाई में लिखी है। सांसदों ने वाइट हाउस को भेजे गए इस पत्र में कहा कि भारतीय उत्पादों पर बढ़े टैक्स से दोनों देशों के बीच रिश्तों को बेहद नुकसान पहुंचा है और इससे अमेरिका के लोगों और कंपनियों पर बुरा असर पड़ रहा है।

कर्नाटक में 50 फीसदी मंत्रियों को बदलने की हो गई तैयारी

सीएम सिद्धारमैया ने बनाया मास्टर प्लान, करेंगे 'खेला'

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस शासित कर्नाटक में जल्द ही बड़ी राजनीतिक उथल-पुथल के आसार हैं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया कैबिनेट से करीब आधे मंत्रियों को हटाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा है कि इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने कहा है कि सिद्धारमैया ने 13 अक्टूबर को सभी कैबिनेट मंत्रियों के लिए रात्रिभोज पर बुलाया है। सूत्रों ने बताया है कि मुखअयमंत्री मौजूदा मंत्रियों में से 50 प्रतिशत को हटाकर नए चेहरों को लाने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट में पार्टी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि करीब 15 नए मंत्रियों के शामिल होने से आलाकमान को तत्काल बदलना मुश्किल हो जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार एसीसी यानी ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी से साथ हुई चर्चा में सिद्धारमैया ने नवंबर में कैबिनेट फेरबदल के संकेत दिए थे। खास बात है कि नवंबर में सिद्धारमैया के सीएम के तौर पर ढाई साल पूरे हो रहे हैं।

एक्टर भविष्य में पब्लिक मीटिंग करेंगे तो बम रखा जाएगा

● विजय थलापति को बम की धमकी मिली, पुलिस घर पहुंची

चेन्नई (एजेंसी)। एक्टर और राजनेता विजय थलापति के चेन्नई स्थित घर पर बम रखने की धमकी दी गई। जैसे ही यह

जानकारी मिली, पुलिस और बम डिस्पोजल स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने पूरे घर की तलाशी ली, लेकिन कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। इंडिया टुडे के मुताबिक, धमकी कॉल करने वाला व्यक्ति कथित तौर पर कन्याकुमारी का रहने वाला था। उसने इमरजेंसी नंबर 100 पर कॉल कर कहा कि अगर भविष्य में विजय कोई पब्लिक मीटिंग करेंगे तो उनके घर पर बम रखा जाएगा। पुलिस को बुधवार रात 2 बजे एक कॉल आया जिसमें कहा गया कि विजय के घर पर बम रखा गया है। इसके बाद पुलिस और स्क्वाड की टीम सुबह लगभग 4.30 बजे पहुंची।

रावलपिंडी चिकन टिक्का से बहावलपुर नान तक...

आईएएफ दिवस की डिनर पार्टी का मेन्यू ही छा गया

● एयरफोर्स का मेन्यू कार्ड देख पाक को लगेगी मिर्ची

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना (आईएफए) के द्वारा अपनी 93वीं वर्षगांठ 8 अक्टूबर को बड़े धूमधाम से मनाया गया। लेकिन सोशल मीडिया पर वायुसेना दिवस की डिनर पार्टी का मेन्यू ही छा गया है। इसकी वजह स्वाद नहीं, बल्कि उसमें शामिल डिश के नाम हैं। इस मेन्यू को 93 वर्ष भारतीय वायुसेना के- अचूक, अभेद्य और सटीक नाम दिया गया है। मेन्यू में पाकिस्तानी ठिकानों के नाम पर डिश के नाम रखे गए हैं। वायरल तस्वीर में दिख रहे व्यंजनों के नामों ने लोगों को मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। मेन्यू में रावलपिंडी चिकन टिक्का मसाला, रफिकी रारा मटन, भोलारी पनीर मेथी मलाई, सुक्कुर शाम सवेरा कोफ्ता, सरगोधा दाल मखनी, जकोबाबाद मेवा पुलाव और बहावलपुर नान शामिल है। मिठाइयों में बालाकोट तिरामिसु, मुजफ्फराबाद कुल्फी फालूदा और मुरीदके मीठा पान शामिल है। आपको बता दें कि इन सभी नामों का संबंध भारत द्वारा आतंकवाद के खिलाफ की गई सटीक सैन्य कार्रवाईयों से है, जिनमें सबसे प्रमुख 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक और 2025 की ऑपरेशन सिंदूर हैं। इस साल 7 मई को की गई ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के नौ बड़े आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इनमें मुरीदके और बहावलपुर जैसे इलाके शामिल थे।

मायावती की रैली, कांग्रेस-सपा पर हमला, बीजेपी पर नरम

● आई लव मुहम्मद पर बसपा प्रमुख ने सरकार को दी नसीहत

● सपा-कांग्रेस पर बोला तीखा हमला, की सीएम योगी की तारीफ

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में आयोजित महारैली में कई बड़े संकेत दिए। उन्होंने साफ किया कि बसपा अकेले ही चुनाव लड़ेगी और पूर्ण बहुमत से यूपी में फिर सत्ता पाने का टारगेट रहेगा। कांशीराम की पुण्यतिथि पर आयोजित रैली में उन्होंने सबसे ज्यादा हमला समाजवादी पार्टी पर बोला और कहा कि ये जब सत्ता में आए तो प्रोन्नति में आरक्षण को खत्म करने का प्रयास किया। इसके अलावा समाजवादी पार्टी दलितों और उनके महापुरुषों के अपमान

में सबसे आगे रही है। मायावती ने कहा कि दलित महापुरुषों के नाम पर जिन जिलों और योजनाओं के नाम रखे गए थे, उन्हें समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर बदल दिया गया था। इसके अलावा मायावती ने बरेली, कानपुर जैसे शहरों में आई लव मुहम्मद पर बढ़े बवाल को लेकर भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि शरारती तत्व अक्सर एक-दूसरे के देवी-देवताओं और पैगंबर का अपमान करते हैं और बवाल कराते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि विवाद बढ़े। सभी को एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करना चाहिए, लेकिन इसकी आड़ में आई लव आदि की राजनीति नहीं करनी चाहिए। सभी धर्मों के नियम और परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। इस दौरान मायावती ने कांग्रेस को भी निशाने पर लिया। वहीं योगी सरकार को इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि वह उनकी सरकार में बने स्मारकों के विकास से पीछे नहीं हट रही है।

उन्होंने आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर आजाद पर भी बिना नाम लिए ही हमला बोला। इसके अलावा उनकी पार्टी के गठन में सपा, भाजपा और कांग्रेस जैसे दलों की भूमिका बताई। मायावती ने कहा कि यूपी में जब बसपा अकेले ही सत्ता में आई थी तो इन्हें डर था कि यदि बीएसपी को आगे बढ़ने से नहीं रोका गया तो फिर यह पार्टी केंद्र की सत्ता में आ जाएगी। इसी से घबरा कर ये लोग एक हो गए। इसके अलावा ऐसे कई संगठन भी बनवा दिए हैं, जो चुनाव में अपने फायदे के हिसाब से उम्मीदवार खड़े करा लें।

राहुल पर तंज-

हाथ में संविधान लेकर वह सिर्फ नाटक करते हैं

यूपी की पूर्व सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में गुंडों और माफियाओं को बढ़ावा दिया गया था। अब अधिकांश मामलों में ऐसी ही स्थिति भाजपा की सरकार में भी देखने को मिल रही है। आजादी के बाद सालों तक रही कांग्रेस की सरकारों में तो दलितों का शोषण और उत्पीड़न होता रहा है। यूपी में कांग्रेस का शासन भी जातिवादी, पूंजीवादी रवैये से चलता रहा है। कांग्रेस ने 1975 में बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को ही किनारे लगाने की कोशिश की थी और आज इनके नेता उसी संविधान को हाथ में लेकर नाटक करते हैं। कांग्रेस ने ही परम पूज्य बाबासाहेब आंबेडकर को संसद में नहीं जाने दिया गया था और उन्हें भारत रत्न नहीं दिया गया।

मुख्यमंत्री ने स्व. रतन टाटा की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'पद्म विभूषण' से सम्मानित महान उद्योगपति स्व. रतन टाटा की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. रतन टाटा ने, न केवल भारतीय उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि अपने दूरदर्शी नेतृत्व, मानवीय संवेदना और अटूट देशप्रेम से स्वयं को प्रेरणा-पुरुष के रूप में स्थापित किया। उनका योगदान और सरल व्यक्तित्व भारतीय उद्योग जगत में सदैव स्मरणीय रहेगा।

विश्व डाक दिवस की दी शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'विश्व डाक दिवस' की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि देश के कोने-कोने तक संवेदनाओं, संदेशों और विश्वास की डोर सुदृढ़ करने वाले सभी डाक कर्मी बंधुओं की सेवाएं वंदनीय है। डाककर्मियों के अथक परिश्रम व समर्पण ने पहाड़ों की दुर्गम वादियों से लेकर रेगिस्तान की तपती धरती तक, घने जंगलों से लेकर दूर-दराज के गांवों तक दूरियों को मिटाया है और रिश्तों को जीवित रखा है।

फर्जी डॉक्टर को बचा रहा उज्जैन का स्वास्थ्य विभाग

बच्चे की मौत के बाद भी एफआईआर नहीं, डॉक्टर का ऑडियो- सेटलमेंट कर लो

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में गलत इलाज से हुई बच्ची की मौत के मामले में अब तक जिम्मेदारों पर एफआईआर नहीं हो सकी है।

फर्जी डॉ. तैयबा घटना के एक हफ्ते से अधिक समय बीत जाने के बाद भी खुलेआम घूम रही है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने माना है कि वो फर्जी डिग्रीधारक है, उसे डिलीवरी और इलाज करने की अनुमति नहीं है। अब पुलिस और स्वास्थ्य विभागों के आपसी तालमेल के नहीं होने के कारण उस पर एफआईआर तक दर्ज नहीं हो पाई है। आरोपी फर्जी महिला डॉक्टर खुलेआम मृत बच्चे के परिजन को फोन पर आपस में बैठकर मामला निपटा लेने की धमकी भी दे रही है।

महिला डॉक्टर का ऑडियो भी सामने आया है, जिसमें वह बोल रही है कि मेरा कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। बात आगे मत बढ़ाओ, बैठकर बात कर लो।

मामले में 3 अक्टूबर को अस्पताल में हुए हंगामे और फर्जी महिला डॉक्टर के अस्पताल को सील करने के बाद फर्जी डॉ. तैयबा ने मृत बच्ची के मामा महेश मालवीय को फोन लगाकर सेटलमेंट करने की बात कही थी।

जिसके बाद परिजनों ने डॉक्टर के खिलाफ पंवासा थाने में आवेदन दिया, लेकिन अब तक उस पर एफआईआर तक दर्ज नहीं हो पाई है। स्वास्थ्य विभाग ने उसका अस्पताल सील करके पल्ला झाड़ लिया। मामले में जब डॉ. तैयबा शेख का पक्ष जानना चाहा तो उनका मोबाइल स्विच ऑफ था।

यूपी में प्राइवेट प्लेन टेकऑफ से पहले झाड़ियों में घुसा

उड़ान भरते वक्त बेकाबू हुआ, भोपाल की कंपनी के एमडी समेत 6 लोग सवार थे

भोपाल (नप्र)। यूपी के फर्रुखाबाद में बड़ा विमान हादसा टल गया। यहां प्राइवेट प्लेन रनवे से उड़ान भरते समय नियंत्रण खो बैठा और पास की झाड़ियों में जा घुसा। हादसे में विमान के विंग्स, फ्रंट व्हील और जेट फैन टूट गए। फ्यूल टैंक भी डैमेज हुआ है। रनवे पर एयरो फ्यूल टपक रहा है।

फिलहाल, विमान में बैठे सभी 6 लोग सुरक्षित हैं। इनमें वुडपैकर ग्रीन एंग्री न्यूट्री पैड प्राइवेट लिमिटेड केएमडी अजय अरोड़ा, वाइस प्रेसिडेंट राकेश टीकू और एसबीआई अफसर सुमित शर्मा, दोनों पायलट नसीब बामल, प्रतीक फर्नांडीज और एक क्रू टेक्नीशियन शामिल हैं। अजय अरोड़ा अपनी टीम के साथ खिमसेपुर औद्योगिक क्षेत्र में बन रही फैक्ट्री के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने भोपाल से आए थे। घटना गुरुवार सुबह 10:30 बजे हुई। हादसे और प्लेन की स्थिति की जांच करने के लिए दिल्ली से टीम बुलाई गई है। प्लेन 'जेट सर्विस एविएशन प्राइवेट लिमिटेड' का है।

खोदते समय धंसी मिट्टी, दबने से युवती की मौत

साथ में गई 10 साल की बच्ची भी घायल, दमोह के बटियागढ़ में हादसा

दमोह (नप्र)। दमोह जिले के बटियागढ़ थाना क्षेत्र के गंज बरखेड़ा गांव में गुरुवार दोपहर मिट्टी खोदते समय अचानक मिट्टी धंस गई। इस घटना में दो बच्चियां दब गईं, जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई।

मृतक की पहचान 18 वर्षीय मेनका लोधी (पिता कल्लू लोधी) के रूप में हुई है। वहीं 10 वर्षीय करिश्मा लोधी (पिता लखन लोधी) गंभीर रूप से घायल है। घायल करिश्मा को स्थानीय लोगों की मदद से मलबे से बाहर निकाला गया। उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बटियागढ़ ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही बटियागढ़ तहसीलदार योगेंद्र चौधरी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बटियागढ़ पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एमसीयू में विधानसभा स्पीकर की मास्टर क्लास

अध्यक्ष की आसंदी मर्यादा, संतुलन और न्याय का प्रतीक : नरेंद्र सिंह

भोपाल। विधानसभा में अध्यक्ष होना किसी शक्ति का नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा और न्याय का प्रतीक है। इसके लिए धैर्य, दूरदृष्टि और सहनशीलता जरूरी है। अध्यक्ष की आसंदी सबके प्रति उत्तरदायी होती है किसी एक दल के प्रति नहीं। जबकि अध्यक्ष विधानसभा में चुनकर आता किसी दल से ही है। इस लिहाज से उसकी भूमिका बहुत कठिन है।

मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्रसिंह तोमर ने यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि की मास्टर क्लास में कही। उन्होंने भावी पत्रकारों को सदन की कार्यप्रणाली और पक्ष-विपक्ष की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हम सब लोकतंत्र में स्वतंत्रता की साँसें ले रहे हैं तो पूर्वजों के उन बलिदानों को कभी न भूलें, जिनकी वजह से यह देश आजाद हुआ। यह आजादी किसी ने तश्तरी में रखकर नहीं दी। इसे बचाना भी जरूरी है और मजबूत करना भी। किंतु हमारे देश में लोकतंत्र की परंपरा प्राचीनकाल से है। यह भारत के स्वभाव में है।

उन्होंने कहा-लोकतांत्रिक संस्थाओं में मर्यादा, विश्वास और अधिकार संस्था के होते हैं, व्यक्ति आते-जाते हैं। हमारी निष्ठा संस्था के प्रति होनी चाहिए। विधानसभाएँ कानून ही नहीं बनातीं, वे आम जनता की आवाजें भी होती हैं। उनकी भूमिका राज्य की व्यवस्था के संचालन में महत्वपूर्ण है। सबसे महत्वपूर्ण काम बजट का होता है, जिससे विकास के काम आगे बढ़ते हैं, जनकल्याण की योजनाएँ जमीन तक जाती हैं। अध्यक्ष की भूमिका पक्ष-विपक्ष के संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। वह सबको चर्चा का अवसर देता है ताकि किसी भी प्रश्न पर सरकार का उत्तर भी सबको ज्ञात हो। राजनीति में अध्ययन की घटती प्रवृत्ति ने राजनीति को विकृत कर दिया है। हम सबको अध्ययन बढ़ाना चाहिए। तभी सही तथ्यों का ज्ञान हो सकेगा। उन्होंने समूहों में विधानसभा भ्रमण के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रण दिया। कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विषय विशेषज्ञों की मास्टर क्लास श्रृंखला विद्यार्थियों में काफी लोकप्रिय हुई है। यह पूरे सत्र में जारी रहेगी। संचालन डॉ. संजय द्विवेदी ने किया। आभार डॉ. पी. शशिकला ने माना।

विश्वविद्यालय में सौ साल के सौ फ्रंट पेजों की प्रदर्शनी बेजोड़ है। देश में घटी सौ साल की सौ महत्वपूर्ण घटनाओं के ये कवरेज भारत के इतिहास के कई अनजाने पन्ने खोलते हैं। यह एक अद्भुत पहल है।

मंत्री लोधी ने मंत्रालय में कालिदास समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

एमपी ट्रैवल मार्ट 11 से भोपाल में

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 11 अक्टूबर से भोपाल में होगा। 6 साल बाद हो रहे ट्रैवल मार्ट में 27 देशों के टूर ऑपरेटर, 150 घरेलू टूर ऑपरेटर, 355 सेलर्स, फिल्म जगत से जुड़े कई लोग शामिल होंगे। ट्रैवल, होटल और होम स्टे संचालक भी आएंगे। सीएम डॉ. मोहन यादव के साथ निवेशकों की चर्चा और प्रमुख सत्र किए जाएंगे।

कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) और एमवीएम कॉलेज ग्राउंड पर होगी। यह आयोजन घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बायर्स, सेलर्स, ट्रैवल एजेंट्स, फिल्म प्रतिनिधियों और पर्यटन जगत के सभी लोगों को एक ही मंच पर जोड़ेगा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड का दावा है कि प्रदेश का यह सबसे बड़ा ट्रैवल मार्ट होगा।

एक ही छत के नीचे होंगे सब- मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया, फिक्की की सहयोग से होने वाला यह सबसे बड़ा राज्य-स्तरीय ट्रैवल मार्ट में से एक होगा। इससे हमारे प्रदेश के होटलियर, ट्रैवल और टूर ऑपरेटर, होम स्टे संचालक और पर्यटन हितग्राही जिन्हें सेलर्स कहा जाता है, उन्हें बायर्स कहे जाने वाले विदेश और देश के प्रमुख होटलियर, ट्रैवल और टूर ऑपरेटर से संपर्क में आएंगे। इससे न सिर्फ मध्यप्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि पर्यटन क्षेत्र में आर्थिक उन्नति के द्वार भी खुलेंगे। पर्यटन के क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेंगे।

पर्यटन, वेडिंग-एमआईसीई सेक्टर में निवेश आएगा- प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि ट्रैवल मार्ट पर्यटन, आतिथ्य, फिल्म, वेडिंग और MICE सेक्टर में निवेश, साझेदारी और सहयोग का अवसर प्रदान करेगा। कार्यक्रम के दौरान 3 हजार से अधिक बी-टू-बी मीटिंग्स आयोजित होंगी, जो अब तक मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में होने वाला सबसे बड़ा व्यावसायिक संवाद होगा।

इसके साथ ही पर्यटन और फिल्म उद्योग से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस तथा राउंड टेबल सत्र भी होंगे। जिनमें राज्य सरकारों (जी-2जी) और वेडिंग एवं कॉर्पोरेट आयोजकों (जी2जी) के साथ विषयगत चर्चा की जाएगी। इस आयोजन में पर्यटन मंत्रालय के साथ विभिन्न राज्यों के पर्यटन

विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

पर्यटन को वैश्विक मंच पर देने का बड़ा कदम- प्रमुख सचिव शुक्ला ने बताया, प्रदेश में साल 2014 से 2018 तक ट्रैवल मार्ट हुए हैं। कोरोना की वजह से बीच में यह मार्ट नहीं हो सका। अब फिर से नए कलेवर के साथ शुरुआत करने जा रहे हैं। इसके जरिए प्रदेश के समृद्ध पर्यटन उत्पाद, धरोहर, वन्यजीव, ग्रामीण संस्कृति, हस्त शिल्प, खान-पान और फिल्म पर्यटन को एक ही मंच पर प्रदर्शित करेगा। यहां 120 से अधिक स्टॉल्स लगाए जाएंगे। जिसमें प्रदेश के हथकरघा एवं हस्त शिल्प के उत्पाद होंगे। गौंड आर्ट एवं चंदेरी साड़ी का लाइव डेमो होगा। हितधारकों के स्टॉल्स भी इसमें शामिल होंगे। निवेश संवर्धन, नई पर्यटन परियोजनाओं के समझौते और फिल्म नीति के अंतर्गत सहयोगात्मक घोषणाएं भी की जाएंगी। इस आयोजन में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में सुप्रसिद्ध नृत्य संयोजक मैत्रेयी पहाड़ी के निर्देशन में मध्यप्रदेश के नैसर्गिक सौंदर्य और ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करते लगभग 40 मिनट की समूह नृत्य प्रस्तुति एवं प्रदेश की सांगीतिक पहचान का प्रतीक मैहर बैंड द्वारा विशेष प्रस्तुति के साथ प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय परंपराओं का परिचय कराने के लिए लोकनृत्य एवं जनजातीय नृत्य की प्रस्तुतियां दी जाएगी। स्थानीय व्यंजन और पारंपरिक लोक संस्कृति इस आयोजन को और जीवंत बनाएंगे।

मुख्यमंत्री के साथ निवेशकों की चर्चा- आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ वन-टू-वन निवेशक सत्र आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही पर्यटन की संभावनाओं पर केंद्रित पैनल डिस्कशन भी होंगे। जिनमें दो प्रमुख सत्र विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

पहला सत्र मध्यप्रदेश- हिडन जेम से ग्लोबल आइकन तक- राज्य की धरोहर, वन्य जीवन, इको-टूरिज्म और उत्सवों पर केंद्रित होगा।

दूसरा सत्र द फ्यूचर ऑफ द फिल्म सेक्टर इन मध्य प्रदेश : फ्रॉम रील टू रियल ग्रोथ फिल्म निर्माण और फिल्म आधारित पर्यटन के अवसरों पर चर्चा के लिए समर्पित होगा। इन दोनों ही सत्रों में देश-विदेश के विशेषज्ञ, निवेशक और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

ये भी शामिल होंगे

मार्ट में भारत और विदेश के पर्यटन उद्योग से जुड़े कई प्रमुख नाम हिस्सा लेंगे। इनमें डॉ. ज्योत्सना सूरी, परवीन चंदर, राजीव मेहरा, वेद खन्ना, मनीष पुरी, अनिरुद्ध कंडपाल, रवि गोसाईं, राकेश कुमार राणा, डॉ. सुश्रुत सुधीर बाबुलकर जैसे प्रतिष्ठित उद्योगपति, आईएटीओ, एफएआईटीएच, एडीटीओआई, टीएएआई जैसी शीर्ष संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे। फिल्म जगत से टेलीविजन और फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर, अभिनेत्री सुनीता रजवार, प्रसिद्ध अभिनेता गजराज राव व रघुवीर यादव, फिल्म डायरेक्टर विशाल फुरिया, फिल्म प्रोड्यूसर मोनीशा आडवाणी, स्पेनिश फिल्म प्रोड्यूसर अन्ना साउरा, लारा मोलिना, अभिनेता शिवांकित सिंह परिहार जैसे प्रतिष्ठित फिल्म व्यक्तित्व भी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

भोपाल में बदमाश की हत्या 12 से ज्यादा मामले थे दर्ज

परिजन बोले 3 युवक ने कॉल कर बुलाया था, उन्होंने ही पीटा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार ललिता नगर में रहने वाले निगरानी बदमाश अजय उर्फ चंदू कुशवाह (23) के गले में पेंचकस जैसी चीज घोंपकर हत्या कर दी गई। घटना बुधवार रात करीब दस बजे की है। हत्या से पहले उसे बेल्ट और लात घूसों से जमकर पीटा गया था। घटना स्थल पर पुलिस को टूटे हुए बैल्ट के तीन टुकड़े मिले हैं।

परिजनों ने हत्या का आरोप तीन युवकों पर लगाया है। इन्ही तीनों ने उसे मिलने के लिए कॉल कर बुलाया था। आरोपियों से युवक का पुराना विवाद था।

अजय के खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज- अजय के खिलाफ कोलार और शाहपुरा थाने में एक दर्जन से अधिक मारपीट, अड़ीबाजी, लूट जैसे संगीन अपराध दर्ज थे। रात करीब 11:30 बजे झाड़ियों में शव को देखने के बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। फिलहाल शाहपुरा पुलिस ने मर्ग कायम किया है, दो संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

एएसआई बोले- आरोपियों के संबंध में जानकारी नहीं

एएसआई मुंशीलाल धाकड़ के मुताबिक अजय कुशवाह के पिता विनोद कुशवाह इन दिनों बीमार हैं। शाहपुरा इलाके में 12 नंबर शेड पर उनकी चाय की दुकान है। बीमारी के कारण पिता दुकान नहीं आ रहे हैं। लिहाजा दुकान का संचालन अजय कर रहा था। 12 नंबर शेड के करीब सुनसान इलाका है। यही से बुधवार रात को झाड़ियों से अजय की बॉडी को बरामद किया गया है। उसके गले पर पैचकस जैसी नुकीली चीज का निशान मिला है। गुरुवार की दोपहर को बॉडी का पीएम कराया गया है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करने की तैयारी है। फिलहाल आरोपियों के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।गुरुवार की दोपहर को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

हत्या का शक बिट्टू, बुशरान और विक्की पर

मृतक के मामा पंकज कुशवाह ने बताया कि हत्या के पहले भांजा घर में था। उसे कॉल कर किसी ने मिलने बुलाया। रात करीब आठ बजे वे घर से निकला था। इसके बाद उसकी मौत की सूचना मिली। मौके पर बेल्ट तीन हिस्सों में टूटा मिला है। हमें शक है कि भांजे को बेरहमी से पीटने के बाद उसका गला घोंटा गया, फिर किसी नुकीली चीज को उसके गले में घुसा दिया गया। जिससे उसकी मौत हो गई। मुझे जानकारी मिली है कि विक्की उर्फ डोनॉल्ड, बुशरान और बिट्टू नाम के युवकों ने हत्याकांड को अंजाम दिया है।

कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कौशलम प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री विजयवर्गीय अब जोहो मेल पर

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने आम नागरिकों की सुविधा के लिये अपना स्वदेशी ई-मेल जोहो अकाउंट जारी किया है। इसके लिये उन्होंने नागरिकों से स्वदेशी मेल अपनाकर उनसे जुड़ने का अनुरोध किया है। इसके लिये उन्होंने एक अपील भी जारी की है। प्रिय साथियों,हम रिश्तों के धागों से बंधे हैं। आपसे जुड़ाव ने हमेशा मुझे ताकत दी है। आपके विचार, सुझाव और शुभकामनाएं मेरे काम को दिशा देते रहे हैं। अब इस संवाद को और सहज बनाए रखने के लिए मैंने 5 ओहे मेल अपनाया है।

मध्यप्रदेश में एमएसएमई की संख्या 20 लाख के पार : मंत्री काश्यप

मार्च 26 तक 25 लाख एमएसएमई के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य

भोपाल (नप्र)। एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के पंजीयन (एमएसएमई) के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। भारत सरकार के उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर अब तक 20 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम इकाईयां पंजीकृत हो चुकी हैं। उद्यम सहायता पोर्टल के अनुसार प्रदेश में अब तक लगभग 23 लाख इकाईयां (आईएमईएस) स्थापित हुई हैं। मंत्री श्री काश्यप ने बताया कि वर्तमान में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों की कुल संख्या 43 लाख 32 हजार से अधिक हो गयी है। जिससे मध्यप्रदेश का स्थान देश के शीर्ष छह राज्यों की सूची में दर्ज हो चुका है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2025 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित की गई नवीन एमएसएमई नीति के बाद से बड़े पैमाने पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग स्थापित हुए है।

मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार नवीन एमएसएमई विकास नीति 2025, स्टार्ट-अप नीति-2025 ईज ऑफ इइंग बिजनेस जैसी पहल ने उद्यमियों का भरोसा बढ़ाया है। राज्य में उद्यम स्थापना की प्रक्रिया अब पहले से कहीं अधिक आसान और पारदर्शी हो गई है जिससे औद्योगीकरण की प्रक्रिया में तेजी आई है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा है कि इस वृद्धि से रोजगार, स्थानीय निवेश और आत्मनिर्भरता तीनों को एक साथ गति मिली है।

एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने बताया महिला उद्यमिता में भी पिछले दो वर्षों में 15 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 की अपेक्षा 2024-25 में पंजीकृत इकाईयों की संख्या में 124279 की वृद्धि हुई है। मध्यप्रदेश सरकार का लक्ष्य अब 2026 तक 25 लाख एमएसएमई इकाइयों का आंकड़ा पार करने का है, जिससे 5 लाख से अधिक नए रोजगार सृजित होने की संभावना है।

एमएसएमई मंत्री श्री काश्यप ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में यह उपलब्धि केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में बढ़ती औद्योगिक आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता का दर्पण है। जहाँ 'मेक इन इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल', 'विकसित भारत 2047' और 'एक जिला, एक उत्पाद' जैसी राष्ट्रीय पहलो को प्रदेश में प्रभावी रूप से लागू किया गया है वहाँ राज्य सरकार द्वारा लागू की गई नवीन एमएसएमई विकास नीति-2025 और स्टार्टअप नीतिः 2025 ने उद्योगों को नई दिशा और गति दी है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई विभाग इन प्रयासों को उच्चतम स्तर तक ने जाने के लिए सतत रूप से कार्यरत रहेगा, ताकि प्रदेश के उद्योग क्षेत्र में निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को और अधिक प्रोत्साहन मिले।

पीएम स्वनिधि योजना में 13.46 लाख हितग्राहियों को दिया गया 2 हजार 78 करोड़ का ऋण

शहरी पथ-विक्रेताओं को जोड़ा जा रहा है अन्य योजनाओं से भी

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में शहरी पथ-विक्रेताओं को अपना व्यवसाय शुरू करने और आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिये पीएम स्वनिधि योजना में अब तक 13 लाख 46 हजार प्रकरणों में 2 हजार 78 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही राज्य सरकार की ओर से हितग्राहियों को ब्याज सब्सिडी के रूप में 30 करोड़ रुपये की राशि भी दी गई है।

पीएम स्वनिधि में देश में पहले स्थान पर- केन्द्र सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना का पुनर्गठन कर इसकी अवधि 31 मार्च, 2030 तक बढ़ा दी है। पथ-विक्रेताओं को योजना का लाभ देने के मामले में मध्यप्रदेश पहले स्थान पर है। प्रदेश के 3 नगरीय निकायों उज्जैन, खरगोन और सारणी को सर्वाधिक ऋण वितरण के लिये पुरस्कृत भी किया जा चुका है। पीएम स्वनिधि योजना में 42 अन्य नगरीय निकायों एवं बैंक शाखाओं का चयन उल्लेखनीय कार्य के लिये राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है।

हितग्राहियों को प्रशिक्षण- राज्य में पथ-विक्रेता योजना में सफलतापूर्वक काम कर सकें, इसके लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगरीय निकायों के माध्यम से क्षमता निर्माण के लिये प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की है। हितग्राहियों को वित्तीय और डिजिटल साक्षरता, ई-कॉमर्स, पैकेजिंग, खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का भी प्रशिक्षण दिलाया गया है।

ऋण सीमा में वृद्धि- योजना में चयनित हितग्राहियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि में भी वृद्धि की गयी है। योजना में पूर्व में 10 हजार के स्थान पर 15 हजार और 20 हजार के स्थान पर 25 हजार रुपये और अंतिम किश्त के रूप में 50 हजार रूपये की ऋण राशि दी जा रही है। डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिये हितग्राही को फुटकर लेन-देन पर 1200 रुपये और थोक व्यापार लेन-देन के लिये प्रतिवर्ष अधिकतम 400 रुपये तक कैश बेक की सुविधा दी जा रही है। पथ विक्रेता सुरक्षित रूप से व्यापार कर सके, इसके लिये नगरीय निकायों द्वारा आईडी प्रमाण-पत्र भी जारी किये गये हैं। पथ-विक्रेताओं और उनके परिवार को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिये जन-धन, पीएम सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति और पीएम श्रम योगी मानधन योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड, जननी सुरक्षा, श्रमिक कल्याण और पीएम मातृ वंदना योजना से भी जोड़ा गया है।

संपादकीय

यह सरकारी तंत्र की नाकामी है

कफ सिरप कांड में मासूम बच्चों की मौतों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच मप्र पुलिस ने इस जहरीले कोल्ड्रिफ सिरप को बनाने वाली कंपनी श्रीसन मेडिकल्स के मालिक एस. रंगनाथन को तमिलनाडु से गिरफ्तार किया है। उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा। छिंदवाड़ा पुलिस ने उस पर 20 हजार रू. का इनाम भी घोषित किया हुआ था। कोल्ड्रिफ कफ सिरप से अभी तक 20 बच्चों की मौत हो चुकी है, जिनमें सर्वाधिक बच्चे मप्र के हैं। पता चला है कि श्रीसन फार्मास्युटिकल कंपनी 14 वर्षों से तमिलनाडु के कांचीपुरम की एक जर्जर इमारत में बेरोकटोक काम कर रही थी। यहां दवाइयां बेहद गंदगी के बीच बिना किसी उचित सुविधाओं और नियमों के पालन के बनाई जा रही थीं। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में हुई मौतों के बाद तमिलनाडु के औषधि अधिकारियों की नींद खुली और उन्होंने 2011 से लाइसेंस प्राप्त निर्माण यूनिट का निरीक्षण कर परिसर को सील कर दिया। मध्य प्रदेश के औषधि नियंत्रक से पत्र मिलने के एक दिन बाद किए गए इस निरीक्षण में कच्चे माल की आपूर्ति से लेकर दवा निर्माण, परीक्षण और पैकिंग तक, हर स्तर पर 364 गंभीर और बड़े उल्लंघनों की पुष्टि हुई। मध्य प्रदेश से भी एसआईटी के सात सदस्यीय दल नर्स चेन्नई पहुंचकर दवा फैक्ट्री की जांच की और खामियों पर रिपोर्ट तैयार की है। कांचीपुरम में वरिष्ठ औषधि निरीक्षक पी. नितिन कुमार और तिरुवल्लूर में आर. शशिकुमार ने परिसर का निरीक्षण किया और पाया कि कंपनी ने दवाओं के निर्माण के लिए कच्चे माल, प्रोपिलीन ग्लायकॉल का एक गैर-फार्मास्युटिकल ग्रेड खरीदा था। यानी दवा बनाने के लिए उपयुक्त नहीं था। बावजूद इसके कंपनी ने न तो इसकी शुद्धता जांची और न ही इसमें डायथिलीन ग्लायकॉल या एथिलीन ग्लायकॉल की मात्रा का परीक्षण किया। औषधि निरीक्षकों ने पाया कि इस घटिया केमिकल से कई दवाएं तैयार की गईं। औषधि नियंत्रण विभाग ने रंगनाथन पर 'फूड सप्लीमेंट्स' श्रेणी में एनीमिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाले सिरप बेचने का मामला दर्ज किया। क्योंकि उनके पास वैध ड्रग लाइसेंस भी नहीं था। इस बीच राजनीतिक ब्लेम गेम भी शुरू हो गया है। केन्द्र सरकार ने तमिलनाडु की डीएमके सरकार पर आरोप लगाया है कि उसके राज में इस तरह की घटिया और जहरीली दवाइयां बेखौफ बन रही हैं। जबकि तमिलनाडु सरकार का कहना है कि उसे मप्र से कफ सिरप पीने से बच्चों के मरने की सूचना मिली, उसने तुरंत कार्रवाई की। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी छिंदवाड़ा का दौरा करने वाले हैं। लेकिन ऐसे राजनीतिक दांव पेंचों से क्या सुधरेगा? इस गंभीर और दर्दनाक घटनाक्रम ने जिस चीज को बेनकाब किया है, वह सरकारी तंत्र का निकम्मापन और भ्रष्टाचार है। इस मामले में एक सरकारी डॉक्टर को फंसाया गया है, लेकिन दवा एवं ड्रग विभाग के पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि ऐसी जहरीली दवा मप्र में तत्काल बैन क्यों नहीं हुई। खबर तो यह भी आ रही है कि सरकार के पास दवाओं के मानकीकरण की जांच के पर्याप्त साधन भी नहीं है। ऐसे में दवा के सही होने के प्रमाणीकरण के पहले ही दवाएं बाजार में बिकने आ जाती हैं और डॉक्टर भी बेखौफ उन्हें मरीजों को देते हैं। कफ सिरप मामले में भी यही हुआ है। इस घटना के बाद भी सरकारी तंत्र में संवेदनशीलता और दायित्वबोध जागेगा, इसकी संभावना कम ही है। उस पर सख्त कार्रवाई भी होगी, लेकिन जिन बच्चों की जान चली गई है या जो अभी भी खतरे के दायरे में हैं, उनका क्या? कानूनी कार्रवाई अपनी जगह है, लेकिन इस पूरे प्रकरण से यह साफ हो गया है कि दवा सुरक्षा के मामले में हमारे यहां कितनी भयंकर लापरवाही और लचर कानून व्यवस्था है।

बुद्ध ने कहा-इन्हें क्षमा कर दो

सनातन के नाम पर सनातनी लोग अब यह क्या करने लगे हैं, समझ में नहीं आता। सनातन का यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, यह नारा राकेश किशोर द्वारा लगाया गया। वह सनातन की आड़ में इस प्रकार की गतिविधियों को करके अपने आपको बचाना चाहते हैं। जिस संविधान की छाँव तले राकेश किशोर ने लॉ की डिग्री ली। अपनी डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की। वह राकेश किशोर को सत्तर वर्ष की अवस्था में जो सनातन की आग प्रज्ज्वलित हुई है, वह देश में नयी तरह की बहस खड़ी कर दी है। भारत का सनातन इतना कमजोर नहीं है जितना इस अपमानजनक गतिविधि करके राकेश किशोर जैसा व्यक्ति समझता है। सनातन मुक्त भाव है। उसे अपमान और सम्मान से कोई फर्क नहीं पड़ता। सनातन का अर्थ है चरै वेति चरै वेति। एएनआई के साथ बिल्कुल अफसोसजनक गतिविधियों को अंजाम देने वाले राकेश किशोर का यह कहना कि उन्हें कोई अफसोस नहीं है अपने किए पर और कोई पछतावा नहीं है।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
लेखक राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

भारत जिस दौर से गुजर रहा है, वह दौर बहुत कठिन है। इस समय का मूल्यांकन जब भी आने वाले समय में क्या जाएगा तो इस दौर पर अफ़सोस होगा। सर्वोच्च न्यायालय में एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ़ इण्डिया यानी मुख्य न्यायधीश के ऊपर जूता फेंका गया। यह करतूत है एक वकील की, जिसकी आयु 70 वर्ष बताई गई। यह कितना गंभीर प्रश्न है कि सर्वोच्च न्यायाधीश भी सुरक्षित नहीं हैं। मुख्य न्यायधीश पर भी कोई आपराधिक कृत्य करते हुए लोगों को अब डर नहीं है। इस पूरी घटना की अपने-अपने हिसाब से निंदा, भर्त्सना और आलोचना हो रही है लेकिन राकेश किशोर जिसने मुख्य न्यायधीश के ऊपर जूता फेंका है उसे इस पर रंच मात्र भी अफ़सोस नहीं है।

सनातन के नाम पर सनातनी लोग अब यह क्या करने लगे हैं, समझ में नहीं आता। सनातन का यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, यह नारा राकेश किशोर द्वारा लगाया गया। वह सनातन की आड़ में इस प्रकार की गतिविधियों को करके अपने आपको बचाना चाहते हैं। जिस संविधान की छाँव तले राकेश किशोर ने लॉ की डिग्री ली। अपनी डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की। वह राकेश किशोर को सत्तर वर्ष की अवस्था में जो सनातन की आग प्रज्ज्वलित हुई है, वह देश में नयी तरह की बहस खड़ी कर दी है। भारत का सनातन इतना कमजोर नहीं है जितना इस अपमानजनक गतिविधि करके राकेश किशोर जैसा व्यक्ति समझता है। सनातन मुक्त भाव है। उसे अपमान और सम्मान से कोई फर्क नहीं पड़ता। सनातन का अर्थ है चरै वेति चरै वेति। एएनआई के साथ बिलकुल अफसोसजनक गतिविधियों को अंजाम देने वाले राकेश किशोर का यह कहना कि उन्हें कोई अफसोस नहीं है अपने किए पर और कोई पछतावा नहीं है। उसने यहाँ तक कहा कि यह कार्य उसने ईश्वर की प्रेरणा से किया है। यह कार्य जब तक वह कर नहीं दिया तब तक वह बेचैन था। उसने यह भी कहा कि वह मुख्य न्यायाधीश गवई के उस वक्तव्य से बहुत आहत होकर रात भर सो नहीं सका और उसने जानबूझकर यह कार्य किया है। उसे जेल में डाल दिया जाए तो भी कोई शिकायत खुद से नहीं होगी।

अब सवाल यह है कि राकेश किशोर ने तो कहा कि उसने जो भी कहा वह भगवान ने करवाया। भगवान ऐसा तो नहीं करवा सकता है, पहली बात यह है। और दूसरी बात यह है कि यदि उसको भगवान ने कहलवाया तो चीफ जस्टिस एस आर गवई भी कह सकते हैं कि मैंने जो कहा वह यदि बुद्धिष्ट हैं तो बुद्ध ने कहलवाया। फिर अपराधबोध और अपराध का कोई फर्क ही नहीं रहा जाएगा। देश के समस्त अपराधी कहेंगे कि हमने वही कार्य किया जो ईश्वर ने हमसे कहा। इस प्रकार यदि ईश्वर कहेगा तो इस देश में बहुत ही रक्तरंजित वक्त दस्तक देगा और किसी संविधान, कानून की आवश्यकता ही नहीं है। भारत में इस प्रकार के अपराधियों की बाढ़ आ जाएगी तो बलात्कारी और चोर भी कहेंगे कि उनकी कोई गलती है ही नहीं। ऐसे शब्दों को सनातन ढाल बनाकर खेल रहे राकेश किशोर को यह नहीं पता है कि भारत संविधान से चलता है। कानून से व्यवस्थाएं चलती हैं। भगवान, देवी-देवता और सनातन के नाम पर इस प्रकार के किये जा रहे कृत्य भारत की चिंता बढ़ा देंगे। सरकारें भी देश में सुशासन कभी ला ही नहीं सकेंगी सब जगह अराजक स्थितियां पैदा हो जाएँगी।

सबसे अहम् बात यह है कि विपक्ष और पक्ष सबने चीफ जस्टिस के साथ किये गए इस व्यवहार पर कड़ा रोष व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई जी से खुद बात की। प्रधानमंत्री ने कहा हमारे समाज में ऐसे निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। यह अत्यंत निंदनीय है। मैं ऐसी स्थिति में न्यायमूर्ति गवई के धैर्य की सराहना करता हूँ। यह न्याय के मूल्यों और हमारे संविधान की भावना को मज़बूत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री क्षुब्ध हैं लेकिन राकेश किशोर जैसा व्यक्ति यह कह रहा है कि उसे कोई अपराधबोध नहीं है। राकेश किशोर को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री स्वयं सनातन सभ्यता के लिए वर्षों से जीवन समर्पित कर चुके हैं वह जानते हैं कि सनातन क्या है और उन्होंने निंदा की और अपना आक्रोश भी राष्ट्रीय स्तर पर प्रकट किया है तो उसका सनातन कौन सा है? क्या एक ही देश में दो सनातन हैं क्या?

यह सनातन की आड़ में की जा रही क्रूरतम कृत्य सनातन का अपमान क्या नहीं है? राकेश किशोर को उसके सनातन अपमान के लिए कम से कम सरकार की ओर से संयम बर्ताव की चेतावनी देनी ही चाहिए।

सीजेआई गवई ने कहा कि इन्हें छोड़ दो। इन पर कोई कार्रवाई नहीं करें। पुलिस ने उन्हें कुछ समय में छोड़ दिया। उसने छूटने के बाद एएनआई और दूसरे प्लेटफॉर्म से जो बयान दिया है वह मानें या न मानें भयावह है। चिंताजनक है। सनातन के लिए अपमानजनक है। ईश्वर के लिए उसका वक्तव्य बिल्कुल अपमानजनक है। इतना भी वीभत्स सोच नहीं होनी चाहिए व्यक्ति की। बुद्ध ने कहा-इन्हें क्षमा कर दो! क्षमा मिलने के बाद छूटे हुए लोग अब यह कहें कि बुद्ध कमजोर था। संविधान कमजोर है। हमें कोई शिकायत और शर्म नहीं है। अपने किए पर पछतावा नहीं है। हम अभी भी अपने कुत्सित कार्य को सही मानते हैं। ऐसे में तो इसे पूरे भारत की सनातन पीढ़ियों के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। यह कल्पना की जानी चाहिए कि यदि राकेश किशोर जैसा व्यक्ति आयकॉन बनने लगा हमारी युवा पीढ़ी का या बुजुर्ग-जन का तो इस देश की हालत क्या होगी? सोचिए यदि अपराध करने की यह प्रवृत्तियां हमारे समाज में घर कर गयीं तो क्या स्थिति होगी देश की?

राष्ट्र के समक्ष खड़े इस खतरनाक स्थितियों की यदि कल्पना की जाए तो एक आक्रामक समाज के दस्तक देने की यह आहट है। देश जिस ओर भाग रहा है वह वीभत्स है। देशहित में तो बिल्कुल नहीं है। भारत की सुरक्षा को यह चुनौती है। भारत के शील व शांति के लिए यह चुनौती है। देश को यदि विकास की राह पर चलना है तो संविधान की सुरक्षा उसकी गरिमा के साथ सभी मनुष्य की सुरक्षा व लोकतंत्र की मजबूती पर कार्य करना होगा। देश के सीजेआई भूषण रामकृष्ण गवई की भी कुछ कमियां हैं। उन्हें इस तरह के बयान से बचना ही चाहिए जो उन्होंने खजुराहो स्थित पीआईएल पर भगवान विष्णु को लेकर टिपण्णी की। उन्हें भी ऐसे बयान नहीं देने चाहिए। लेकिन उनके बयान को लेकर जूता फेंककर भारतीय संविधान के न्यायमूर्ति पद पर आसीन व्यक्ति को, जब वह कोर्ट की कार्यवाही में संलग्न हो, तो अपमानित करना भी सनातन सभ्यता का अपमान है।

इस समय बहुत तटस्थ भाव से भारतीय सनातनियों को यह समझने की आवश्यकता भी है क्या वह राकेश किशोर को वाहवाही देकर भारत को मजबूत करने जा रहे हैं या कमजोर? यदि समय रहते भविष्य के संकट को भारत के लोग नहीं समझ सकेंगे तो हो सकता है आने वाला कल हमारे लिए बहुत ही विघ्नकारी साबित हो जाए।...

जयप्रकाश नारायण की वैचारिक यात्रा के द्वंद्व

जयंती पर विशेष

चित्रा माली
सहायक प्रोफेसर गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता

भारत छोड़ो आंदोलन में क्रांतिकारी युवा के रूप में उभरे जयप्रकाश नारायण के लिए स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में मंत्री बनने के पर्याप्त अवसर थे। पंडित नेहरू स्वयं चाहते थे कि जेपी मंत्रिमंडल में शामिल हो,लेकिन जेपी ने सत्ता से बाहर रहना ही पसंद किया। इसके साथ ही उन्होंने समय-समय पर पंडित नेहरू की नीतियों की तीखी आलोचना भी की। व्यक्तिगत तौर पर वे पंडित नेहरू का बहुत सम्मान और इज्जत करते थे। कांग्रेस से अलग होकर जेपी ने सोशलिस्ट पार्टी का गठन किया था। सोशलिस्ट पार्टी ने भारत के पहले आम चुनाव में हिस्सा भी लिया था और 12 सीटें जीती भी थी।

ब्रिटिश शोधकर्ता ज्यॉफ्रे ऑस्टरगार्ड जिन्होंने सर्वोदय की पूरी यात्रा पर शोध किया था वे अपनी किताब 'नॉन वायलेंट रिवोल्यूशन इन इंडिया' में लिखते हैं कि 1952 के आम चुनाव के दो साल बाद ही जेपी ने 18 अप्रैल 1954 में बोधगया में हुए सर्वोदय सम्मेलन में अपना जीवन भू-दान को समर्पित करने का फैसला कर लिया था। आचार्य विनोबा भावे को भू-दान से मिली आरंभिक सफलता ने जेपी को सर्वोदय के और करीब ला दिया था। 1953 में जेपी ने बिहार में एक सप्ताह की पदयात्रा की जिसमें उन्हें सात हजार एकड़ जमीन भू-दान के रूप में मिली। जेपी ने 25 अक्टूबर 1957 में अपने प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के साथियों के नाम समाजवाद से सर्वोदय तक शीर्षक से एक पत्र लिखा।

इस पत्र में उन्होंने असहयोग आंदोलन से साम्यवाद फिर साम्यवाद से लोकतांत्रिक साम्यवाद और फिर समाजवाद से सर्वोदय तक की वैचारिक यात्रा के बारे में विस्तार से लिखा जो उनके भीतर चल रहे द्वंद को बयां करता है। जेपी का यह पत्र चुनावी और दलगत राजनीति से खुद को पूरी तरह से अलग करने का ही ऐलान था। गांधी जी की जन्मशती वर्ष में सर्वोदय आंदोलन अपने चरम पर पहुंच गया था। इसी वर्ष राजगीर में एक विशाल सम्मेलन भी आयोजित किया गया जिसमें देश-विदेश के 22 हजार प्रतिनिधियों ने शिरकत की। सर्वोदय का यह सम्मेलन वाकई इस अहिंसक क्रांति की एक बड़ी सफलता थी। इसी सम्मेलन में ग्रामदान का विस्तार करते हुए राज्यदान का ऐलान भी किया गया था। 1960 के दशक के अंत में और 1970 के दशक के शुरुआती वर्षों में इन दो आंदोलनों सर्वोदय और नक्सल ने जनमानस को उद्वेलित कर रखा था। दोनों ही आंदोलन के केंद्र में भूमि-सुधार और किसान थे। लेकिन दोनों की ही प्रविधि एक-दूसरे के विपरीत थी। एक अहिंसा के मार्ग पर था तो दूसरे का रास्ता बंदूक की नाल से निकलता था। अमेरिकी प्रवास के दौरान मार्क्सवादी विचारों के नजदीक जेपी के लिए भी यह एक वैचारिक द्वंद्व का दौर था। वह अहिंसक सर्वोदय के रास्ते पर थे और सर्वोदयी होने के लिए जीवनदान अंतर्निहित था और वह अपना जीवन सर्वोदय को समर्पित कर चुके थे। लेकिन इसके बावजूद वे जिस लोकनीति की बात कर रहे थे,उसके केंद्र में लोगों की राजनीति शामिल थी।

1972 में बेंगलुरु के करीब थिप्पागोंडानहल्ली में सर्वोदय की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें जेपी ने अपने भाषण में दलविहीन लोकतंत्र के आह्वान के साथ ही सर्वोदयी कार्यकर्ताओं से देश की मुख्यधारा की राजनीति में लौटने की अपील की। श्रीमती इंदिरा गांधी जब प्रधानमंत्री बनीं तो जेपी उन्हें सबसे पहले बधाई देने वालों में से एक थे। जेपी ने बांग्लादेश युद्ध के समय श्रीमती इंदिरा गांधी की काफी तारीफ़ की थी और राष्ट्रपति चुनाव के विवाद और सुप्रीम कोर्ट में जजों की बहाली के मुद्दे पर उनकी कटु आलोचना भी की थी। स्वतंत्र भारत को कई तरह के संघर्षों का सामना करना पड़ा जिनमें जमीन धर्म,भाषा और क्षेत्र से संबंधित मुद्दे थे। इन संघर्षों में नागालैंड और कश्मीर की समस्या सबसे गंभीर थी। ये ऐसे क्षेत्र थे जो ऐतिहासिक, राजनैतिक, पारंपरिक और भाषायी दृष्टिकोण से लंबे समय से भारतीय गणराज्य के अभिन्न हिस्से समझे जाते थे। इन मुद्दों के अतिरिक्त भ्रष्टाचार,महंगाई,गरीबी और बेरोजगारी की समस्या पर भी संघर्ष होने लगे जिनकी शुरुआत 1974 में गांधी जी की जन्मस्थली गुजरात में भ्रष्टाचार के विरोध में छात्र आंदोलन से हुई। इसके बाद बिहार की छात्र संघर्ष समिति ने भी व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष शुरू कर दिया। 18 मार्च 1974 की घटना के बाद इकहत्तर साल के जेपी से छात्र संघर्ष समिति और छात्रों ने आंदोलन का नेतृत्व करने की अपील की। उनके नेतृत्व में देश ने कई शांतिप्रिय और उग्रवादी आंदोलनों को होते हुए देखा था। उन्होंने नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया था और चंबल के डाकुओं को हथियार डालने पर राजी किया था। ऐसे में छात्रों की इस अपील को वह अस्वीकार नहीं कर पाए। लेकिन आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए उन्होंने दो शर्तें रखी। पहली यह कि यह आंदोलन पूर्णतया अहिंसक रहेगा और दूसरी यह कि इसका विस्तार सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं रहेगा। छात्रों ने इन दोनों ही शर्तों को मान लिया। 19 मार्च को जेपी ने बयान दिया कि वह देश में व्याप्त कुशासन, भ्रष्टाचार और दूसरे मुद्दों के प्रति मूकदर्शक बनकर नहीं बैठ सकते हैं, चाहे मामला, पटना, दिल्ली या और कहीं का भी क्यों न हो। उन्होंने कहा कि इस दिन को देखने के लिए उन्होंने आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी थी। उन्होंने भ्रष्टाचार, कुशासन, कालाबाजारी, मुनाफाखोरी, जमाखोरी और मौजूदा शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ आर पार की लड़ाई का आह्वान किया। जेपी ने सही अर्थों में लोकशाही लाने के लिए जंग लड़ने का ऐलान किया। जेपी की ये खासियत थी कि वे नैतिक रूप से दृढ़ निश्चयी थे,सत्ता का आकर्षण उन्हें छू भी नहीं पाया था और सबसे खास वे स्वाधीनता आंदोलन के बड़े नेताओं में से एक थे और जनता के बीच काफी लोकप्रिय भी थे। छात्र आंदोलन का नेतृत्व करने की उनकी स्वीकृति से ही आंदोलन में उफान आ गया था। अब 'बिहार आंदोलन' को 'जेपी आंदोलन' के नाम से जाना जाने लगा था। आंदोलनकारी छात्रों की अपार भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि छात्र एक साल तक पढ़ाई छोड़ दें और आमजन की सोई हुई चेतना को जगाने का काम करें। उन्होंने आगे कहा कि 'आंदोलन में आपको कुर्बानियां देनी होंगी,तकलीफें झेलनी होंगी,लाठी और गोली खानी होगी और जेलों को भी भरना होगा। लोगों की संपत्ति जब्त कर ली जाएगी'। जेपी ने कहा कि 'जिस प्रकार गांधी जी ने एक साल के भीतर स्वराज हासिल करने की बात कही थी,मैं भी एक साल के भीतर वास्तविक लोकशाही लाने की बात कर रहा हूं। एक साल के भीतर सही शिक्षा व्यवस्था का उदय होगा। एक नया मुल्क और एक नया बिहार बनाने के लिए अपने जीवन का एक साल आंदोलन के नाम कुर्बान कर दीजिए। इसी जनसभा में जेपी ने पहली बार 'संपूर्ण क्रांति' की बात की थी। संपूर्ण क्रांति एक ऐसा सपना था जिसे जेपी अपने जवानी के दिनों में देखा करते थे। जेपी का काफिला बढ़ता जा रहा था। जेपी ने सीपीआई को छोड़कर सभी विपक्षी पार्टियों का सम्मेलन बुलाया। वे अब जनता के इस उत्साह को राष्ट्रव्यापी जनांदोलन में तब्दील करना चाहते थे। उन्होंने मजदूर संगठनों, किसान संगठनों और दूसरे पेशेवर संगठनों से एक मंच पर आने की अपील की। इस आंदोलन में एक विपक्षी पार्टी पहले से मौजूद थी और उसकी छात्र शाखा भी आंदोलन में पहले से ही सक्रिय थी और अब इसके वरिष्ठ कैडर आंदोलन की मुख्य भूमिका में आने लगे थे। जेपी के गांधीवादी सहयोगी ने उन्हें एक चेतावनी भरा पत्र लिखा जिसमें उन्होंने लिखा कि 'स्थानीय स्तर पर ही सही आंदोलन का नेतृत्व उनके के हाथों में खिसकता जा रहा है। उस पत्र में यह भी चिंता जाहिर की गई कि 'आम आदमी को हमारे आंदोलन के तरीकों और इसके मूल्यों के बारे में अभी भी पता नहीं है, उसे लगता है कि आंदोलन का उद्देश्य सकारात्मक कम नकारात्मक अधिक है'। जेपी आंदोलन की कई बुद्धिजीवियों ने भी आलोचना की।

यह महज आंदोलन की आलोचना नहीं थी बल्कि गांधीवादी मूल्यों की अवहेलना की आलोचना अधिक थी। साध्य साधन की शुचिता की अवहेलना कर लक्ष्य को जरूर प्राप्त किया जा सका या हम कहें आंदोलन सफल रहा सत्ता परिवर्तन भी हुआ लेकिन जिन जनमुद्दों और समस्याओं को लेकर आंदोलन शुरू हुआ था वह जस की तस बनी रही। जेपी ने जिस उत्साह से संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया था और सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर साथ लेकर आए थे लेकिन उन विपक्षी दलों के व्यक्तिगत स्वार्थ और सत्ता पर काबिज होने की आकांक्षा ने जेपी की संपूर्ण क्रांति को सफल नहीं होने दिया।

चांद और छलनी से पार दाम्पत्य पर्व

करवा चौथ विशेष

सपना सी.पी. साहू 'स्वप्निल'

भारतीय संस्कृति में करवा चौथ, दांपत्य का सुखद पर्व है। यह श्रद्धा केवल निराहार, निर्जल रहने का कठोर व्रत या अनुष्ठान नहीं अपितु वैवाहिक जीवन के गहन आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक ताने-बाने को अभिव्यक्त करने वाला पर्वोत्सव है। यह भारतीय नारियों की अटूट आस्था, प्रेम और समर्पण की कहानी कहता है, जिसके माध्यम से वे अपने जीवनसाथी की दीर्घायु और कल्याण की कामना को साकार करती है। चांद की शीतलता और छलनी की पारदर्शिता के बीच, यह पर्व प्रेम के उस गहन दर्शन को दर्शाता है जो भारतीय जीवन-शैली में सतयुग से वर्तमान तक समायी है।

करवाचौथ का आध्यात्मिक महत्व नारीशक्ति की आस्था का मौन उद्घोष है। इसका आधार गहन साधना और आत्म-संयम, अटूट इच्छाशक्ति में निहित है। यह कठोर संकल्प सिर्फ अन्न-जल का त्याग नहीं, बल्कि ईश्वर पर अटूट विश्वास है। प्राचीन भारतीय दर्शन में, व्रत को मन को एकाग्र करने, इंद्रियों को साधने और अलौकिक शक्ति से जुड़ने का माध्यम माना जाता है। इस दिन महिलाएं चौथ माता जो माता पार्वती का ही एक स्वरूप है उनके संग भगवान शिव-गौरी और गणेश की पूजा की जाती है। क्योंकि वे स्वयं में आदर्श दांपत्य और बाधाओं को हरने वाले देवी-देवता माने जाते हैं। इस व्रत में सबसे महत्वपूर्ण है चांद का दर्शन करना। चांद को रोहिणी नक्षत्र का अधिपति, अमृत, शीतलता और स्थिरता का स्रोत माना गया है। चांद प्रकृति का वह प्रतीक है जो प्रेम और शांति का वाहक है।

छलनी से चांद और पति के मुख को देखने का विधान प्रतीकात्मक है। करवाचौथ व्रत नवविवाहित वीरावती की ज्ञात कथा से जुड़ा है। जिसमें उसके भाईयों ने अति स्नेह के चलते उसे प्रथम करवाचौथ में अग्नि प्रज्जवलित कर झूठा चांद छलनी से दिखाकर दर्शन करवाए थे। तब से चांद को छलनी से देखकर उसी छलनी से पति को देखने का विधान जुड़ गया। पर छलनी का अर्थ यहां बहुत वृहद है, जैसे उससे अनावश्यक को छानकर, शुद्धता ऊपर आती है, वैसे ही यह नारी के विवेक और धैर्य को दर्शाती है। यह छलनी दांपत्य में आते-जाते सांसारिक दोषों, नकारात्मकता और दुर्भाग्य को छानकर, पवित्र प्रेम और कल्याण की कामना को पति तक पहुंचाने की आध्यात्मिक प्रार्थना है। यह दर्शन है कि पत्नी अपने पति के जीवन की हर बुराई को छानकर, केवल शुभता को स्वीकार करने और उसे दांपत्य में भरने की संरक्षिका है। यह नारी की ऊर्जित आंतरिक शक्ति के संकल्प की आध्यात्मिक अभिव्यक्ति है।

यह व्रत नारी के मनोवैज्ञानिक सामर्थ्य को उजागर करता है। पति के उत्तम स्वास्थ और दीर्घायु की कामना से रखा सशक्त उपवास का अनुभव नारी को सिखाता है कि वह अपनी भावनाओं और इच्छाओं को प्रेम और कर्तव्य के लिए नियंत्रित कर सकती है। यह मनोवैज्ञानिक दृष्टि से एक सशक्त, आत्मविश्वासी अनुभव है। यह व्रत आस्था और मनोविज्ञान का सकारात्मक सुदृढ़ीकरण है। इस दांपत्य पर्व सबसे सुंदर पहलू मधुर भावनात्मक प्रेम और आत्मीयता के पुनर्जन्म है। इसमें रोमानी रीति और अपनत्व साथ-साथ है। जैसे रात में चांद का राह तकना, उसका पूजन और छलनी से दर्शन कर पति के हाथों पानी पीकर व्रत तोड़ना, यह सब गहरे प्रेम से तन-मन के स्पर्श का दर्शन हैं। यह रस्मों-रिवाज के माध्यम से प्रेम की अभिव्यक्ति है, जहां सदियों पुरानी परंपरा आधुनिक रिश्ते में जादुई तत्व भर देती है। छलनी के छोटे-छोटे छिद्रों के बीच से चांद को देखना जीवन की जटिलताओं के बीच भी प्रेम की शुद्धता को देखने की कला सिखाती है। करवाचौथ की स्नेह रीति के कारण आजकल कुछ जगह देखने में आता है, कुछ पुरुष भी अपनी अर्धांगिनी के लिए यह व्रत रखने लगे है। यह परिणय संबंध का साझा अनुभव और भावनात्मक निवेश है। लेकिन जो पति व्रत नहीं भी रखते तो वे भी पूजा की तैयारी करवाने, व्रत की कहानी सुनने? में साथ होते है। यह पति का पत्नी के त्याग के प्रति संवेदनशील होना है। ये सभी बातें आत्मीयता और भावनात्मक जुड़ाव को बढ़ाती हैं। यह एक साझा भावनात्मक निवेश भी है, जो समझाता है कि दोनों ही इस रिश्ते को प्रेम, समर्पण से गतिमान रखने को तत्पर हैं। यह केवल पत्नी का व्रत नहीं है; पति का साथ और भावनात्मक समर्थन इस अनुष्ठान को पूर्णता देता है। यह भावनात्मक आदान-प्रदान रिश्ते को और मजबूत करता है। यह आधुनिक जीवन की आपाधापी में तो और भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

चांद और छलनी के पार दिखने वाला यह पर्व, आधुनिक संदर्भों में भी अपनी महत्ता बनाए हुए है। करवा चौथ नारी शक्ति के त्याग, अनुराग और समर्पण का परिचायक है। यह पति की दीर्घायु की कामना संग आध्यात्मिक शुचिता, मनोवैज्ञानिक सुरक्षा और गहन भावनात्मक आत्मीयता को भी पोषित करता है। यह पर्व परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम है, यह सुखद संगम कल था, आज है और आगे तक दांपत्य जीवन में प्रेमनिर्झर बनकर बहता रहेगा।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

गरीबी के प्रमाण पत्र पर जिंदगी की आखिरी मुहर

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
लेखक व्यंग्यकार हैं।

हमारे गाँव के मंगू काका को जब पता चला कि सरकार 'अति निर्धन' लोगों के लिए एक नई पेंशन योजना लाई है, तो उनकी आँखों में चमक आ गई। वे दौड़े-दौड़े मेरे पास आए और बोले, 'सुरेश बाबू, अब हमारे भी अच्छे दिन आएँगे। सरकार ने हमारी गरीबी देख ली है।' मैंने मन में सोचा, 'वाह! सरकार की आँखें भी क्या खूब हैं, चुनाव के वक्त ही खुलती हैं।'

मंगू काका की खुशी देखने लायक थी। उन्हें लगा कि बस अब एक अर्जी देनी है और उनके खाते में हर महीने पैसे आने लगेंगे। लेकिन उन्हें क्या पता था कि भारत में गरीब होना एक बात है और अपनी गरीबी को सरकारी कागज़ों पर 'प्रमाणित' करवाना दूसरी। यह दूसरा काम पहले से कहीं ज़्यादा मुश्किल है। उन्हें एक लंबा-चौड़ा फॉर्म थमाया गया, जिसमें ऐसे-ऐसे सवाल थे कि चकरा जाएँ। 'क्या आपके पास रंगीन टीवी है?', 'घर की छत खपरैल की है या लेंटर की?', 'क्या आपके परिवार में किसी के पास स्मार्टफोन है?'। मंगू काका के पास एक पुरानी धोती, टूटी खाट और खाँसती हुई पत्नी के सिवा कुछ नहीं था। पर यह बात फॉर्म कैसे समझता?

फॉर्म के साथ एक 'गरीबी दर्शाती हुई' तस्वीर भी लगानी थी। काका बेचारे फोटो खिंचवाने स्टूडियो पहुँचे। फोटोग्राफर बड़ा कलाकार आदमी था। बोला, 'काका, ऐसे नहीं। थोड़ा दुखी चेहरा बनाओ। ऐसा लगना चाहिए कि हफ्तों से खाना नहीं मिला।' मंगू काका ने मासूमियत से कहा, 'बेटा, दो दिन से तो सच में नहीं खाया, पर फोटो में यह कैसे दिखाऊँ?' फोटोग्राफर ने उन्हें जबरन कंधे झुकाकर, चेहरे पर मायूसी लाकर एक तस्वीर खींच ही ली। अपनी गरीबी को साबित करने के लिए तस्वीर खिंचवाने के पैसे भी उन्हें उधार लेने पड़े।

तहसील का बाबू तो उनसे भी बड़ा ज्ञानी निकला। उसने मंगू काका को ऊपर से नीचे तक देखा और बोला, 'तुम गरीब नहीं लगते। तुम्हारी धोती में अभी भी चमक है। जाओ, पहले कोई फटी हुई धोती पहनकर आओ।' मंगू काका का स्वाभिमान आहत हो गया, पर पेंशन का लालच स्वाभिमान पर भारी था। उन्होंने अपनी इकलौती अच्छी धोती बेचकर एक तार-तार हुई धोती खरीदी। अब वे सरकारी मानकों के हिसाब से 'थोड़े-बहुत' गरीब दिखने लगे थे।

इस 'गरीबी प्रमाणन' की प्रक्रिया में महीने बीत गए। काका ने अपनी बकरी बेच दी, पत्नी के चाँदी के पुराने कड़े बेच दिए। शहर आने-जाने के किराए और छोटे-मोटे चढ़ावे में सब स्वाहा हो गया। उनकी सेहत गिरने लगी, चेहरा मुरझा गया और आँखों की रोशनी कमज़ोर पड़ गई। गाँव वाले अब उन पर हँसते, 'देखो, मंगू काका 'सर्टिफाइड गरीब' बनने चले हैं।' मैं सोचता, यह कैसा देश है जहाँ अपनी ही विपन्नता का प्रदर्शन करना पड़ता है।

आखिरकार, महीनों की भागदौड़ के बाद सारे कागज़ात तैयार हो गए। अब मंगू काका सचमुच वैसे ही दिख रहे थे, जैसा सरकार देखना चाहती थी - जर्जर, लाचार और पूरी तरह से टूटे हुए। जब वे अंतिम फाइल लेकर बड़े साहब के पास पहुँचे, तो साहब ने उन्हें देखते ही कहा, 'हाँ, अब तुम असली गरीब लग रहे हो। तुम्हारी आँखों की बेबसी सब बता रही है।'

साहब ने फाइल पर ठप्पा लगाया और बोले, 'मुबारक हो, मंगू। तुम्हारी पेंशन मंज़ूर हो गई। तीन महीने बाद पैसा मिलना शुरू हो जाएगा।' मंगू काका के सूखे चेहरे पर एक फीकी सी मुस्कान आई। उन्होंने साहब को धन्यवाद देने के लिए हाथ जोड़ने चाहे, पर महीनों की थकान, भूख और अपमान का बोझ उनका शरीर अब और नहीं सह सका। वे वहीं साहब की मेज के सामने फर्श पर गिर पड़े और उनके प्राण निकल गए।

मंगू काका ने अपनी गरीबी सफलतापूर्वक साबित कर दी थी। उनका मृत शरीर उस दफ्तर के ठंडे फर्श पर पड़ा इस बात का सबसे बड़ा और अंतिम प्रमाण था कि वे सरकारी मदद के सच्चे हक़दार थे। बस विडंबना यह थी कि जिस ज़िन्दगी को बचाने के लिए यह सब किया गया, वही ज़िन्दगी उस प्रमाण पत्र पर लगी आखिरी मुहर बन गई।

गुजरात से लेकर दिल्ली तक

सुरेश पचौरी

लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं।

मोदीजी के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के बेमिसाल 24 साल

लोकप्रियता के शिखर पर द्रष्टव्य मोदी जी का प्रभामंडल आज इतना व्यापक बन चुका है कि वे अब 'वर्ल्ड लीडर' बन चुके हैं। उनके नेतृत्व में भारत चहुंमुखी विकास कर रहा है और हमारी अर्थव्यवस्था कई गुना छलांग लगा चुकी है। देश के चतुर्दिक हिस्से स्वयमेव विकास की गवाही दे रहे हैं। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सड़कों, रेलमार्गों, हवाई अड्डों, औद्योगिक इकाइयों, विद्युत परियोजनाओं, मेडिकल कालेजों आदि का तेजी से विस्तार हो रहा है। देश में आतंकवाद व नक्सलवाद की जड़ें खोखली होती जा रही है, साथ ही आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति से अब संपूर्ण विश्व प्रेरणा ले रहा है। आत्मनिर्भरता और सुरक्षा के मद्देनजर मोदी जी द्वारा उठाए गए कदमों से जनमानस में निश्चिंतता के भाव जागृत हुए हैं।

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने राजनैतिक जीवन में एक और कीर्तिमान रच दिया। वह है - मुख्यमंत्री तथा प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 24 वर्षों तक देशवासियों की सेवा करने का उन्हें सुअवसर प्राप्त हुआ है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक का उनका सफर अनगिनत उपलब्धियों से भरपूर है । लोकप्रियता के शिखर पर द्रष्टव्य मोदी जी का प्रभामंडल आज इतना व्यापक बन चुका है कि वे अब 'वर्ल्ड लीडर' बन चुके हैं। उनके नेतृत्व में भारत चहुंमुखी विकास कर रहा है और हमारी अर्थव्यवस्था कई गुना छलांग लगा चुकी है। देश के चतुर्दिक हिस्से स्वयमेव विकास की गवाही दे रहे हैं। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सड़को, रेलमार्गों, हवाई अड्डों, औद्योगिक इकाइयों, विद्युत परियोजनाओं, मेडिकल कालेजों आदि का तेजी से विस्तार हो रहा है। देश में आतंकवाद व नक्सलवाद की जड़ें खोखली होती जा रही है, साथ ही आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति से अब संपूर्ण विश्व प्रेरणा ले रहा है। आत्मनिर्भरता और सुरक्षा के मद्देनजर मोदी जी द्वारा उठाए गए कदमों से जनमानस में निश्चिंतता के भाव जागृत हुए हैं ।

'नये भारत' के शिल्पकार नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की अवधारणा के साथ विश्व को भारत की शक्ति से परिचित कराया। भारतीय लोकतंत्र में अनुशासन व अन्त्योदय के महत्व को नये सिरे से परिभाषित कर उसे व्यवस्था का मूल आधार बनाया।

साढ़े बारह वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे श्री मोदी ने गुजरात राज्य को औद्योगिक क्रांति का केन्द्र बनाकर सर्वांगीण विकास का ऐसा सिलसिला शुरू किया, जो कालांतर में 'गुजरात मॉडल' के रूप में जाना गया और देश के विभिन्न प्रदेशों ने उसे अपने-अपने राज्यों में अपनाकर उसे विकास का संप्रेरक माना। गुजरात में हरित क्रांति लाने का श्रेय भी मोदी जी को ही जाता है। गांव-गांव पानी पहुंचाकर लाखों एकड़ बेकार पड़ी भूमि को खेती योग्य बनाने के परिणाममूलक कार्य मोदी जी के ही मुख्यमंत्रित्व काल में हुए, जिससे लाखों किसान आज खुशहाली का जीवन जी रहे हैं। गुजरात की तुलना समृद्ध व विकसित राज्य के रूप में होने के पीछे मोदी जी का कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच व समर्पण अन्तर्निहित है।

पार्टी के एक सामान्य कार्यकर्ता से शुरू हुई नरेन्द्र मोदी की सामाजिक व राजनैतिक यात्रा परिश्रम, त्याग, एकनिष्ठा व राष्ट्रप्रेम का जीता-जागता उदाहरण है। साधारण कार्यकर्ता से लेकर देश के प्रधान सेवक के रूप में उनके कालखंड पर दृष्टिपात करें तो यह अवधि सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथम के अद्भुत समागम से परिपूर्ण मिलेगी। 17 वर्ष की आयु में उनके कदम जनसेवा के लिए जो आगे बढ़े, वे फिर कभी रूके नहीं। 'इदं राष्ट्राय, इदं न मम्' की उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। मोदी जी राजनीति में नैतिकता और शुचिता के पक्षधर हैं। राजनीति को वे सेवा का एक जरिया मानते हैं, धनार्जन का माध्यम नहीं।

नरेन्द्र मोदी एक ऐसे कर्मयोगी हैं, जिनका जीवन सेवा की संकल्पबद्धता तथा राष्ट्रबोध की दृढ़ता से ओतप्रोत है। वे ऐसे जननेता हैं, जिनके लिए संपूर्ण वसुधा कुटुम्बवत् है। वे भारत की 140 करोड़ जनता को अपना परिवार मानकर उसे मनसा, वाचा, कर्मणा व्यवहार में लाते हैं । उनके नेतृत्व में आज केवल आर्थिक रूप से ही नहीं वरन् सामरिक रूप से भी हमारा देश शक्तिशाली बना है । अमेरिका, रूस, चीन जैसे देश भारत का लोहा मानने लगे हैं । पड़ोसी देश चीन दोस्ती के लिए बेताब है । 'आपरेशन सिंदूर' की गाथा तो पूरे विश्व में गूंज रही है । दुनिया ने देखा है कि पाकिस्तान कैसे 'त्राहिमाम्-त्राहिमाम्' की स्थिति में

आकर भारत के आगे गिड़गिड़ाया था । पहलगाम की घटना के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाने का मोदी जी ने जो संकल्प लिया था, उसे पूरा कर देशवासियों को यह भरोसा दिलाया कि मोदी जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं । 'मोदी है तो मुमकिन है', यह कथन अब पुराना हो चुका है, अब तो 'मोदी है तो देश सुरक्षित है', यह विश्वास देशवासियों के दिलों में रच-बस गया है ।

प्रधानमंत्री ने देश की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को सदैव प्राथमिकता में रखा है, उनका मानना है कि हम सुरक्षित तभी रह सकते हैं, जब हमारे पास रक्षा संसाधन भरपूर मात्रा में उपलब्ध हों । इसी परिप्रेक्ष्य में केन्द्र सरकार ने देश के रक्षा बजट में काफी बढ़ोत्तरी की। रक्षा बजट 2014 में 46,429 करोड़ रूपये था, वह 2024 में 1.27 लाख करोड़ रूपये हो चुका है । देश में पहले 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किये जाते थे वहीं अब 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण भारत में ही तैयार हो रहे हैं। आज भारत लगभग 100 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है और भारत का निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ रूपये का था जो बढ़कर 23,000 करोड़ रूपये हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय संदर्भों में बात की जाए तो आज पूरे विश्व में हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी की धाक जम चुकी है । विश्व मंच पर उनका कद बहुत ऊंचा हो चुका है, उनका नाम दूरदर्शी व अग्रणी नेताओं में शुमार हो चुका है। वे दुनिया के जिस भी देश में जाते हैं, वहां के राष्ट्राध्यक्ष अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से उन्हें नवाजने में गर्व का अनुभव करते हैं। विगत साढ़े ग्यारह वर्षों के दौरान मोदी जी ने अनेक देशों की यात्रा की, उन देशों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में हुए एमओयू इस बात के संकेत हैं कि मोदी जी ऐसे हर देश के लिए भारत का दरवाजा खोल रहे हैं, जो यहां आकर हमारी नीतियों और शर्तों के अनुसार निवेश करें, जिससे भारत समृद्धशाली बने । उल्लेखनीय है कि भारत के मित्र देशों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है, जो उभयपक्षीय व्यावसायिक हितों के मद्देनजर एक सुखद संकेत हैं।

मोदी जी के व्यक्तित्व में भारत, भारतीयता और भारतीय संस्कृति का समुच्चय समाहित है। उनका विजन है कि भारत तरक्की करे, भारतीयता बरकरार रहे और भारतीय संस्कृति का संरक्षण-संवर्धन हो। इस दिशा में उनके निर्देशन में राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक क्षेत्रों में हुए कार्य स्तुत्य हैं । उनके नेतृत्व में आज 'नया भारत' दुनिया के सामने सर ऊंचा कर चल रहा है । भारत मजबूत तो बना ही है, अब वह 'अजेय' बन चुका है।

मोदी जी के नेतृत्व में आज का भारत विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है। अपने आत्मबल के सहारे हमारा देश दुनिया का प्रेरक बन चुका है। श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 24 वर्षों में देश दुनिया की सोच बदल दी। उनकी विकासोन्मुखी व जनहितैषी योजनाओं एवं समाज के सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए उठाए गए कदमों की वजह से जो आमूल-चूल बदलाव आए हैं, उससे नये भारत की नई तस्वीर बहुत साफ देखी जा सकती है ।

साढ़े बारह साल मुख्यमंत्री के रूप में और साढ़े ग्यारह साल प्रधानमंत्री के रूप में सेवारत श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल पर विहंगम दृष्टि डाली जाए तो सुस्पष्ट नजर आता है कि उन्होंने भारत के मान-सम्मान, गौरव, गरिमा और अस्मिता से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए उसे वरीयता दी। भारत को उत्कर्ष, तरक्की व खुशहाली के सर्वोच्च पायदान पर ले जाने का उनका स्वप्न निःसंदेह पूरा होगा। भारत को विश्वगुरू बनाने के लिए अहर्निश काम करने वाले ऐसे कर्मयोगी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हम हृदय से सद्भावना व्यक्त करते हुए यह सदीच्छा रखते हैं कि उनके नेतृत्व में भारत सदैव आलोकित होता रहे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

स्मिता कुमारी

लेखिका पुर्नवास मनोवैज्ञानिक एवं सत्यमेव मानसिक विकास केंद्र भोपाल की निदेशक हैं।

चुनौती है पैतृक संपत्ति से वंचित महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य

इस वर्ष विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 'सेवाओं की पहुँच-आपदा और आपातकालीन स्थिति में मानसिक स्वास्थ्य' थीम के साथ मनाया जा रहा है। प्राकृतिक आपदाओं और आपातकालीन स्थितियों के अलावा, आज एक ऐसी सामाजिक आपदा पर भी चर्चा करना बेहद ज़रूरी है जो देश की आधी आबादी को व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर प्रभावित करती है- महिलाओं को पैतृक संपत्ति में बराबरी का अधिकार न मिलना।

महिलाओं के अधिकार के लिए बनाया गया हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 को भी बने लगभग बीस साल हो चुके हैं। हालाँकि, ज़मीनी स्तर पर यह अधिकार आज भी एक सपना ही है। इस अधिकार से वंचित महिलाएँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी धीमी, लेकिन निरंतर चलने वाली आपदा से जूझ रही हैं। चुनावी दौर में एक बड़ा वोट बैंक होने के बावजूद, महिलाओं के अधिकार से जुड़ा यह विषय देश के विकास के मुद्दों में कभी शामिल नहीं हो पाती।

जबकि सम्पति का अधिकार महिलाओं के लिए एक ऐसा सुरक्षा कवच है जो दहेज और घरेलू हिंसा से जूझ रही महिलाओं को जीवन की सुरक्षा प्रदान कर सकता है। कई महिलाओं की दहेज उत्पीड़न के कारण हत्या या आत्महत्या इसलिए भी हो जाती है क्योंकि उनके पास स्वतंत्र रूप से जीने, नए सिरे से जीवन शुरू करने और महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए संपत्ति विशेषकर घर और ज़मीन जैसा कोई सुरक्षा आधार नहीं होता।

कानूनी प्रावधान और ज़मीनी हकीकत

बीना अग्रवाल और श्रुति नायक ने महिलाओं के भूमि अधिकारों और पैतृक संपत्ति में उनके हिस्से पर कई शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। उनका एक महत्वपूर्ण शोधपत्र 2024 में 'वर्ल्ड डेवलपमेंट' पत्रिका के खंड 182 में प्रकाशित हुआ है। यह शोधपत्र विशेष रूप से 2005 के हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम के बाद भारतीय अदालतों द्वारा महिलाओं को विरासत में उनके हिस्से का अधिकार देने के रुझान का विश्लेषण करता है। उन्होंने 2005 से 2020 की अवधि में उच्च न्यायालयों के 505 निर्णयों का अध्ययन किया है।

हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005

इस अधिनियम के तहत, बेटियों को बेटों के बराबर सहदायिक का दर्जा दिया गया है। हालाँकि, इस संशोधन के बाद भी हिंदू महिलाओं को यह अधिकार मिलने की संख्या केवल 11.6 प्रतिशत है। यह आँकड़ा यह भी दर्शाता है कि अधिकांश भूमि मालिक महिलाएँ विधवाएँ हैं, न कि बेटियाँ। यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि 2005 के संशोधन का ज़मीनी स्तर पर उतना अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ा है। मुस्लिम कानून में पैतृक और पिता की स्व-अर्जित संपत्ति में कोई अंतर नहीं है। महिलाओं को आमतौर पर अपने भाइयों से आधा हिस्सा मिलता है। यदि किसी दंपति की केवल बेटियां हैं, तो उन्हें पूरा अधिकार है। ईसाई कानून में भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के अनुसार, सभी बेटियों को पिता की संपत्ति में समान अधिकार दिए जाते हैं। यदि किसी महिला का पति मर जाता है, तो उसे संपत्ति का 1/3 हिस्सा मिलता है, और शेष हिस्सा बच्चों में बराबर बांटा जाता है।सभी धर्मों में कानून महिलाओं को अधिकार देते हैं, लेकिन सामाजिक मानदंड, पारिवारिक दबाव और जागरूकता की कमी के कारण कई महिलाएँ अपने अधिकारों का दावा नहीं कर पाती हैं। अपने ही मायके में पैतृक संपत्ति के अधिकार की माँग करना इतनी बड़ी हिमाकत माना जाता है कि कई महिलाएँ ससुराल में गरीबी या हिंसा को सहन करती रहती हैं, लेकिन एक नया जीवन शुरू करने के लिए मायके में अपने अधिकार की बात नहीं करतीं।विश्व बैंक की 2023 की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में केवल 20 प्रतिशत महिलाएँ विश्व स्तर पर भूमि की मालिक हैं। हालाँकि, इसमें से कितनी प्रतिशत संपत्ति पैतृक अधिकार से प्राप्त हुई है, इसका कोई स्पष्ट आँकड़ा ज्ञात नहीं है। यानी, कुल मिलाकर 20 साल बाद भी महिलाओं के पैतृक संपत्ति के अधिकार का सही आँकड़ा सामने नहीं है, न ही इसकी राष्ट्रीय स्तर पर कोई जागरूकता या ठोस कार्रवाई का प्रभाव दिखाई देता है। ऐसे में, क्या केवल कानून बना देना ही महिलाओं के सशक्तिकरण का उद्देश्य पूरा करता है? यह जानना और इस कानून के क्रियान्वयन को प्राथमिकता देना आवश्यक है कि किस प्रकार इस अधिकार से वंचित महिलाएँ मानसिक, सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और

महिलाओं के अधिकार के लिए बनाया गया हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 को भी बने लगभग बीस साल हो चुके हैं। हालाँकि, ज़मीनी स्तर पर यह अधिकार आज भी एक सपना ही है। इस अधिकार से वंचित महिलाएँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी धीमी, लेकिन निरंतर चलने वाली आपदा से जूझ रही हैं। चुनावी दौर में एक बड़ा वोट बैंक होने के बावजूद, महिलाओं के अधिकार से जुड़ा यह विषय देश के विकास के मुद्दों में कभी शामिल नहीं हो पाती।

व्यक्तिगत रूप से आपदाओं का सामना कर रही हैं।पैतृक संपत्ति अधिकार के बिना महिलाएँ कैसे प्रभावित होती हैं, संपत्ति का अधिकार न मिलना महिलाओं के लिए एक धीमी गति की, लेकिन स्थायी आपदा है, जिसके निम्नलिखित गंभीर प्रभाव पड़ते हैं-

1. आर्थिक आपदा

निर्भरता और असुरक्षा- इस अधिकार की कमी से कई महिलाएँ हमेशा अपने जीवन यापन के लिए आर्थिक रूप से दूसरों पर निर्भर रहती हैं, और संपत्ति पर नियंत्रण न होने के कारण आर्थिक रूप से कमज़ोर हो जाती हैं।

सशक्तीकरण में बाधा- वे अपने जीवन के कई अहम फैसले स्वयं नहीं ले पातीं, जो सीधे तौर पर उनके सशक्तीकरण को बाधित करता है।

बुनियादी आवश्यकता से वंचित होना- संपत्ति (खासकर ज़मीन या घर) आय और सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत होती है, जिसे मानवतावादी मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार मनुष्य की आवश्यक ज़रूरतों में प्राथमिकता की श्रेणी में रखा गया है। इससे वंचित होने पर महिलाएँ आर्थिक रूप से असुरक्षित हो जाती हैं। यह स्थिति पूरे परिवार और अंततः पूरे समाज को प्रभावित करती है।

2. जीवन और स्वास्थ्य पर खतरा

शारीरिक और मानसिक आघात- घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न से प्रभावित महिलाओं में गंभीर शारीरिक चोट, विकलांगता और यहाँ तक कि मृत्यु (दहेज हत्या या आत्महत्या) का ख़तरा बढ़ जाता है।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ- लगातार तनाव, भय और अपमान से महिलाओं में गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ जैसे डिप्रेशन, चिंता और पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (PTSD) पैदा हो सकती हैं, जो किसी भी आपदा के पीड़ितों में पाए जाते हैं।

3. सामाजिक और आर्थिक पतन

सामाजिक बहिष्कार- कई बार प्रेम विवाह या अन्य कारणों से पीड़ित महिला को अक्सर मायके और ससुराल, दोनों जगहों पर सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है।

सुरक्षा जाल का टूटना- संपत्ति, खासकर विवाह टूटने, विधवा होने या बुढ़ापे में, एक सुरक्षा जाल का काम करती है। अधिकार न मिलने पर यह जाल टूट जाता है, और महिलाएँ पूरी तरह से दूसरों पर निर्भर हो जाती हैं।

शोषण के प्रति संवेदनशीलता- आर्थिक निर्भरता महिलाओं को दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा या अन्य प्रकार के शोषण के लिए अधिक संवेदनशील बना देती है, क्योंकि उनके पास घर छोड़कर जाने या नए सिरे से शुरुआत करने का कोई आधार नहीं होता।

4. मानवीय संकट

मानवाधिकारों का उल्लंघन- यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। जीवन जीने का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार और सम्मान का अधिकार,ये सभी इस उत्पीड़न के श्रेणी में आ जाते हैं, जो किसी बड़े मानवीय संकट का संकेत है।

लिंग आधारित भेदभाव- यह मूल रूप से लिंग आधारित भेदभाव है और सामाजिक न्याय का उल्लंघन है। कानून द्वारा समान अधिकार मिलने के बावजूद, सामाजिक व्यवहार में उन्हें अक्सर ये अधिकार नहीं मिलते, जो न्याय और समानता के मूलभूत सिद्धांत का उल्लंघन है। पैतृक सम्पति का अधिकार न मिलना महिलाओं के लिए दीर्घकालिक, अदृश्य आपदा है। यह उन्हें न केवल आर्थिक रूप से कमज़ोर करता है, बल्कि उन्हें सामाजिक रूप से भी हाशिये पर धकेलता है, उनके मानवाधिकारों का हनन करता है, और पीढ़ी-दर-पीढ़ी असमानता को बनाए रखता है। यह भारतीय सामान के पितृसता में ऐसे समाहित है कि पुरुष अपने घर बहन- बेटियों का अधिकार पाकर भी आत्मग्लानि महसूस नहीं करते और महिलाएं अपना ही अधिकार माँगने का सोच कर भी शर्मिंदगी और अपराधबोध महसूस करने लगती है। कई हिंसा सहती और मानसिक समस्याओं से जूझती इन महिलाओं को जिस दिन अपने अधिकार अनिवार्य रूप से मिलने लगे उनकी हिंसा और मानसिक प्रताड़ना में कमी प्रभावी रूप से असर दिखने लगेगा। कानून बने बीस साल हो गया मगर इसका क्रियान्वयन होने की प्रतिक्रिया शासन, प्रशासन, मीडिया और जनता की बड़ी जिम्मेदारी है।

भारतीय समाज जब तक अपने अधिकार और दूसरों के हक पर अपना अधिकार जमाने के बीच का फर्क समझने में परिपक्व ना हो जाए महिलाओं के हिस्से का यह अधिकार केवल कानून के पन्नो में ही दर्ज रहेगा। क्योंकि इस अधिकार को लागू करने वाली व्यवस्था में कई पितृसत्तात्मक सोच के लोग आज भी अपने ही घरों के बहन-बेटियों को यह अधिकार नहीं दे पायें, वह भी इसे सामान्यकृत की नजर से देखते हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

श्रेया तिवारी

संजीव अग्रवाल ग्लोबल एजुकेशनल विश्वविद्यालय, भोपाल

तनाव से संतुलन तक : मानसिक स्वास्थ्य की यात्रा

आधुनिक जीवन की तेज़ रफ़्तार में तनाव मानो हर व्यक्ति का अनचाहा साथी बन गया है। शहरों की भागदौड़, कार्यस्थलों का दबाव, आर्थिक असुरक्षा, रिश्तों की जटिलताएँ और भविष्य की चिंताएँ मानसिक असंतुलन को जन्म देती हैं। तनाव अपने आप में कोई बीमारी नहीं है, लेकिन यह धीरे-धीरे मनुष्य के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। तनाव से मानसिक संतुलन तक की यात्रा केवल चिकित्सा या परामर्श का विषय नहीं, बल्कि आत्मबोध, जीवन-दर्शन और आंतरिक शांति की साधना भी है। भारतीय परंपरा में मन को शांत रखने और जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए अनेक उपाय बताए गए हैं, जिनमें ध्यान, योग, प्रार्थना और आत्म संयम प्रमुख हैं।

तनाव की जड़ें अक्सर हमारे भीतर की अपेक्षाओं और बाहरी परिस्थितियों के बीच की दूरी में छिपी होती हैं। जब जीवन की परिस्थितियाँ हमारी इच्छाओं के अनुकूल नहीं होतीं, तो मन में बेचैनी और असंतोष उत्पन्न होता है। यह बेचैनी धीरे-धीरे तनाव का रूप ले लेती है। काम के बोझ, प्रतिस्पर्धा और असुरक्षा की भावना में घिरा व्यक्ति स्वयं से दूर होता चला जाता है। उसे अपने भीतर झाँकने का अवसर नहीं मिलता, और यही सबसे बड़ी समस्या बन जाती है। मनोविज्ञान में इसे मानसिक दबाव की स्थिति कहा जाता है, जिसमें व्यक्ति न केवल शारीरिक रूप से थकता है बल्कि मानसिक रूप से भी टूटने लगता है।

प्राचीन भारतीय दर्शन में मन की शांति को जीवन का मूल आधार माना गया है। भगवद्गीता में कहा गया है-

'मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः।'

(मनुष्य के बंधन और मुक्ति का कारण केवल मन ही है।)

यदि मन असंतुलित हो जाए तो व्यक्ति जीवन के हर क्षेत्र में अस्थिरता महसूस करता है, और यदि मन शांत हो तो कठिन से कठिन परिस्थिति में भी वह संतुलन बनाए रख सकता है। तनाव से बाहर आने के लिए सबसे पहला कदम अपने मन को समझना होता है। यह यात्रा बाहर की ओर नहीं, बल्कि भीतर की ओर होती है। तनाव के दौरान मनुष्य का ध्यान भविष्य या अतीत में उलझा रहता है। वह वर्तमान क्षण में जीना भूल जाता है। यही कारण है कि तनाव की स्थिति में मनुष्य को एकाग्रता में कठिनाई होती है, नींद में खलल पड़ता है और निर्णय क्षमता कमजोर पड़ जाती है। प्राचीन योगशास्त्र में कहा गया है-

'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।'

(योग चित्त की वृत्तियों को रोकने का साधन है।)

योग केवल शारीरिक आसनों का अभ्यास नहीं, बल्कि यह मन को केंद्रित करने और विचारों को नियंत्रित करने की प्रक्रिया है। ध्यान और प्राणायाम के अभ्यास से मनुष्य तनाव को कम कर सकता है और अपने भीतर एक गहरी शांति का अनुभव कर सकता है। तनाव का प्रभाव केवल मन पर नहीं, शरीर पर भी होता है। लगातार तनाव में रहने से शरीर में हार्मोनल असंतुलन उत्पन्न होता है, जिससे उच्च रक्तचाप, सिरदर्द, नींद की कमी, पाचन संबंधी परेशानियाँ और हृदय रोग जैसी समस्याएँ बढ़ जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज विश्व की लगभग 25 प्रतिशत जनसंख्या किसी ना किसी रूप में तनाव या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से प्रभावित है। भारत में भी अवसाद और तनाव से संबंधित मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। नेशनल हेल्थ प्रोफाइल के अनुसार देश में हर पाँच में से एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से प्रभावित है, लेकिन बहुत कम लोग ही उपचार तक पहुँच पाते हैं।

भारतीय संस्कृति में तनाव से मुक्ति का मार्ग केवल बाहरी उपचार में नहीं, बल्कि आत्मसंयम और जीवन-दर्शन में निहित है। उपनिषदों में कहा गया है-

'शान्तिः परमं सुखम्।'

(शांति ही परम सुख है।)

तनाव की जड़ें अक्सर हमारे भीतर की अपेक्षाओं और बाहरी परिस्थितियों के बीच की दूरी में छिपी होती हैं। जब जीवन की परिस्थितियाँ हमारी इच्छाओं के अनुकूल नहीं होतीं, तो मन में बेचैनी और असंतोष उत्पन्न होता है। यह बेचैनी धीरे-धीरे तनाव का रूप ले लेती है। काम के बोझ, प्रतिस्पर्धा और असुरक्षा की भावना में घिरा व्यक्ति स्वयं से दूर होता चला जाता है। उसे अपने भीतर झाँकने का अवसर नहीं मिलता, और यही सबसे बड़ी समस्या बन जाती है। मनोविज्ञान में इसे मानसिक दबाव की स्थिति कहा जाता है, जिसमें व्यक्ति न केवल शारीरिक रूप से थकता है बल्कि मानसिक रूप से भी टूटने लगता है।

जब मनुष्य अपने मन को शांत कर लेता है, तो परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, वह संतुलन बनाए रख सकता है। यह संतुलन ही मानसिक स्वास्थ्य की मूलभूत अवस्था है। तनाव से मानसिक संतुलन तक की यात्रा में सबसे पहले स्वीकार्यता आती है। जब व्यक्ति यह स्वीकार करता है कि हर चीज़ उसके नियंत्रण में नहीं है, तो अनावश्यक चिंता कम हो जाती है। इसके बाद आत्मबोध और आत्मसंवाद की प्रक्रिया आरंभ होती है। ध्यान, प्राणायाम और साधना के माध्यम से व्यक्ति अपने मन को वर्तमान क्षण में स्थिर करना सीखता है।

मानसिक स्वास्थ्य की इस यात्रा में सामाजिक सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परिवार और समाज का सहायक व्यवहार तनाव को कम करने में सहायक हो सकता है। बातचीत करना, अपनी भावनाओं को व्यक्त करना और दूसरों की बात सुनना मन के बोझ को हल्का करता है। भारतीय समाज में सामूहिकता और पारिवारिक जुड़ाव की परंपरा रही है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक सशक्त आधार बन सकती है। आज का समय ऐसा है जिसमें तनाव को पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं है, लेकिन उसे नियंत्रित और संतुलित करना पूरी तरह संभव है। जीवन के हर चरण में परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं, और तनाव का स्रोत भी। लेकिन यदि व्यक्ति मन को साध ले तो तनाव उसकी प्रगति में बाधा नहीं बनता, बल्कि आत्मबोध की दिशा में उसे आगे बढ़ाता है। यह दृष्टिकोण ही मानसिक स्वास्थ्य का सार है।

भारतीय ऋषियों ने यह समझ लिया था कि मन ही सुख और दुख का मूल स्रोत है। मन को वश में करके ही व्यक्ति सच्चे अर्थों में मुक्त होता है। जैसे गीता में कहा गया है-

'उद्धरेदात्मनाऽत्मानं नात्मानमवसादयेत्। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मनः॥'

(मनुष्य को स्वयं अपने द्वारा ही ऊपर उठना चाहिए और स्वयं को नीचे नहीं गिराना चाहिए। मनुष्य स्वयं ही अपना मित्र है और स्वयं ही अपना शत्रु।)

तनाव से मानसिक संतुलन तक की यात्रा एक सतत साधना है। इसमें व्यक्ति को अपनी सोच को परिवर्तित करना होता है, जीवन के प्रति दृष्टिकोण में सरलता और स्वीकार्यता लानी होती है। यह यात्रा केवल मनोवैज्ञानिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक भी है। जब व्यक्ति स्वयं के भीतर झाँकना सीख जाता है, तब वह जान पाता है कि तनाव बाहरी परिस्थितियों से नहीं, बल्कि मन की स्थिति से उत्पन्न होता है।

मानसिक स्वास्थ्य के इस मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति न केवल स्वयं के जीवन को संतुलित करता है, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा बन सकता है। उसका व्यवहार, विचार और दृष्टिकोण समाज में सकारात्मकता का प्रसार करता है। तनाव को हराना कोई एक क्षण का कार्य नहीं, बल्कि यह निरंतर अभ्यास, सजगता और आत्मविश्वास की प्रक्रिया है। जीवन में चुनौतियाँ रहेंगी, परिस्थितियाँ बदलती रहेंगी, लेकिन यदि मन स्थिर है तो हर परिस्थिति में संतुलन संभव है। यही मानसिक स्वास्थ्य की सच्ची पहचान है। जैसे प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है-

'मनसि शान्तिः परमं बलम्।'

(मन की शांति ही सर्वोच्च बल है।)

यही शांति तनाव से संतुलन तक की यात्रा का अंतिम पड़ाव है, और यहीं से मानसिक स्वास्थ्य की वास्तविक यात्रा प्रारंभ होती है, एक ऐसी यात्रा जो व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, जीवन को गहराई से समझने का अवसर देती है और अस्तित्व में अर्थ भरती है।

जितेन्द्र पुरोहित बने जन परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष

धार। अखिल भारतीय स्तर की गैर राजनीतिक एवं सामाजिक संस्था जन परिषद के संयोजक रामजी श्रीवास्तव एवं सह समन्वयक के.पी. अग्निहोत्री की अनुशंसा पर जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी ने समाजसेवी एवं पत्रकार जितेन्द्र पुरोहित को जन परिषद का प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। संस्था के महासचिव अजय श्रीवास्तव नीलू के अनुसार जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 36 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है। संस्था पर्यावरण पर बारह अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है। संस्था के इस समय पूरे देश में 275 से अधिक एवं विदेशों में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवं सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं। संस्था का मुख्य आधार मानवीय , सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

जनपरिषद जिला धार के अध्यक्ष , राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपरिषद ने श्री पुरोहित को सर्वप्रथम उज्जैन संम्भाग का अध्यक्ष मनोनीत किया था बाद में उनकी कार्य कुशलता के आधार पर मालवा का संयोजक बनाया था । संयोजक बनने के बाद आपने 29 चेप्टर का गठन किया था इस उपलब्धि पर संस्था ने आपको प्रांतीय उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा है। श्री पुरोहित को बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों में समाजसेवी धर्मेंद्र जोशी, जनपरिषद मनावर अध्यक्ष कैलाश मुकाती, जनपरिषद बड़वानी , अध्यक्ष इब्राहिम रिजवी, जन परिषद धरमपुरी, अध्यक्ष राकेश कुमरावत, देवराज सिकरवार, नवीन गर्ग, लालू यादव, निलेश जोशी, पंडित गोटू शुक्ला, अजय जोशी, कमल बोरीवाल सहित शुभचिंतकों एवं मित्रों ने बधाई दी।

श्री गुजराती रामी माली समाज मालवा प्रांत कार्यकारिणी का भव्य स्वागत किया गया

धार। श्री गुजराती रामी माली समाज मालवा प्रांत कार्यकारिणी का सोनू रेस्टोरेंट के संचालक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश परमार एवं धार समाज बंधुओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

जानकारी देते हुए गेंदालाल टाकोलिया जीटी रामी माली समाज साख संस्था उपाध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष एवं लक्ष्मी नारायण चावडा सहकारिता सलाहकार ने बताया कि कार्यक्रम के अतिथि थे यादवलाल चौहान, पूनमचंद माली, सत्यनारायण पटेल, सत्यनारायण परमार,

कैलाश वर्मा (फूलवाले), कैलाश वर्मा, गोविंद हारोड, पंडित सचिन शर्मा, राम डोडिया, राजेश बारोड, लीलाधर बारोड, अनिल चावड़ा, नरेंद्र माली, अखिलेश जाधव । अध्यक्षता अध्यक्ष यशवंत नेहरू ने की। सर्वप्रथम अतिथियों को शोभायात्रा के रूप में सोनू चौराहा से रेस्टोरेंट तक लाया गया व पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया।

कृतज्ञता ज्ञापित की सुरेश परमार ने एवं स्वागत भाषण दिया गेंदालाल टाकोलिया ने। उद्बोधन पूनमचंद माली, यादव लाल चौहान, लक्ष्मी नारायण चावड,पूर्व पार्षद राजेश चौहान, श्री राजेश बारोड , संजय मकवानाआदि ने दिया । अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए यशवंत नेहरू ने बताया कि कुछ समाज बंधुओ द्वारा मालवा प्रांत संगठन के गठन को नकारात्मक रूप में बताया जा रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है, हमारा यह संगठन समाज की व्यवस्था को एकरूपता लाने के लिए है एवं शिक्षा और राजनीतिक क्षेत्र में समाज को आगे लाने की हमारी शुद्ध भावना है। इस अवसर पर जयराम चौहान, कनीराम कामदार सहित धार समाज के वरिष्ठ जन मौजूद रहे। संचालन गजानंद रामी ने किया एवं आभार मनीष मकवाना ने माना।

महिलाओं ने सीखे संतुलित आहार और स्वच्छता के गुर

व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित, विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

बैतूल। एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना बैतूल ग्रामीण सेक्टर बैतूल-2 के अंतर्गत टेमनी पंचायत में राष्ट्रीय पोषण माह के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अभियान 17 सितंबर से जिले में प्रारंभ होकर 16 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन सेक्टर पर्यवेक्षक अर्चना तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने पोषण माह की थीम के अनुसार ग्रामवासियों को गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए समुदाय आधारित आईवायसीएफ परामर्श दिया। साथ ही लाभार्थियों को उम्रानुसार आहार, स्वच्छता तथा स्थानीय सामग्री से पौष्टिक भोजन तैयार करने के महत्व पर जानकारी दी।

वाहन चालकों को अब मिली राहत, बदतर फोरलेन को लेकर लोग कर रहे थे विरोध

एनएचएआई ने कुंडी टोल प्लाजा पर घटाया टोल टैक्स

एस. द्विवेदी, बैतूल। जिले के कुंडी टोल प्लाजा पर टोल टैक्स में 5 से लेकर 15 रुपए तक की कमी की गई है। दरअसल बैतूल-भोपाल नेशनल हाईवे की अधूरी और गड्ढों से भरी सड़क के कारण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने यह निर्णय लिया है। वैसे भी लंबे समय से चालक टोल टैक्स घटाने की मांग कर रहे थे। लोगों का कहना था कि जब सडक पूरी नहीं बनी और जगह-जगह गड्ढे हैं, तब पूर्ण टोल टैक्स वसूली अनुचित है। टोल कर्मियों ने कम दरों की जानकारी नोटिस बोर्ड पर चस्पा भी कर दी है। यहा उल्लेखनीय है कि फोरलेन निर्माण कार्य धीमी गति से चलने और जगह-जगह खराब सड़कों के कारण पिछले कई महीनों से वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद सड़क की हालत और भी खराब हो गई है। इस स्थिति में टोल वसूली का विरोध कई बार किया गया। अब टोल टैक्स में की गई कमी से नियमित रूप से गुजरने वाले वाहन चालकों को कुछ राहत तो जरूर मिली है, हालांकि चालक अब भी सडक सुधार कार्य में तेजी की मांग कर रहे हैं ताकि यात्रा सुरक्षित और सुगम हो सके।

छोटे वाहनों के 5 और बड़े वाहनों के घटे 15 रूपये- बैतूल-भोपाल नेशनल हाईवे की अधूरी और गड्ढों से भरी सड़क के कारण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) कुंडी टोल नाके पर टोल टैक्स में 5 से 15 रूपये तक की कमी की है। पहले जहां कार को एक तरफ का 90 रूपये टोल टैक्स चुकाना पड़ रहा था, वहीं अब टैक्स घटाकर 85 रूपये कर दिया गया है। इसी तरह बड़े वहान 14 चक्का से अधिक वाले वाहनों को एक तरफ का 480 चुकाना पड़ता था, इसे भी घटाकर 465 रूपये कर दिया है। जिससे वाहन चालकों को राहत मिली है। बताया जा रहा है कि अब एक तरफ का लोडिंग एलसीबी वाहन को 140, बस और ट्रक को 295, आठ से 12 चक्का को 320 और 14 चक्का से अधिक वाले वाहन को 465 रूपये एक तरफ का टोल टैक्स चुकाना पड़ेगा।

नया टोल रेट

पुराना टोल रेट

स्थानीय लोगों को मिलेगा फायदा

कुंडी टोल प्लाजा के मैनेजर योगेश मिश्रा ने बताया कि टोल प्लाजा के 20 किमी के परिधि क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों को टोल टैक्स कम होने का ज्यादा फायदा मिलेगा। बताया गया कि पहले एक माह के लिए 350 में निःशुल्क टोल पास बनता था, जिसके लिए अब 340 रूपये ही लिया जायेगा। इसके अलावा एनएचएआई ने गत 15 अगस्त से 3000 रूपये शुल्क भरकर वार्षिक पास बनाने की स्कीम भी शुरू की है। जिसमें वाहन चालक एनएचएआई की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन पेमेंट जमा कर एनुअल पास बना सकते हैं, जिससे 200 बार एक वर्ष में पूरे देश के किसी भी एनएचएआई टोल पर क्रासिंग की सुविधा रहेगी। टोल में कमी से स्थानीय नागरिकों में हर्ष का माहौल है। शाहपुर निवासी मोनू तिवारी का कहना है कि टोल के आसपास रहने वाले लोगों को दिन में कई बार टोल क्रॉस करके आना-जाना पड़ता है, अब स्थानीय लोगों को टोल टैक्स में कमी होने से फायदा मिलेगा।

इनका कहना है -

कुंडी टोल प्लाजा पर एनएचएआई ने टोल टैक्स में कमी कर दी है। नई दरें 4 अक्टूबर से लागू भी कर दी गई है। टोल टैक्स में कमी होने से वाहन चालकों में हर्ष का माहौल है।

- योगेश मिश्रा,
मैनेजर, कुंडी टोल प्लाजा, शाहपुर

विधायक की नाराजगी के बाद अब बरेठा घाट सड़क मरम्मत कार्य ने पकड़ी रफ़्तार

बैतूल। बारिश थमने के बाद बैतूल-भोपाल नेशनल हाईवे पर सडक़ मरम्मत का कार्य इन दिनों तेज गति से जारी है। विशेष रूप से बरेठा घाट क्षेत्र जो लंबे समय से जाम और खराब सडक़ के कारण लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ था, वहां पर अब एनएचआई द्वारा त्वरित सुधार कार्य किया जा रहा है। हाल ही में विधायक हेमंत खंडेलवाल ने बरेठा घाट सडक़ की स्थिति पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने एनएचआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री मनीष कुमार मीणा को निर्देश दिए थे कि घाट क्षेत्र में त्वरित कार्य शुरू किया जाए, ताकि जाम जैसी स्थिति निर्मित न हो और आमजन को राहत मिल सके। विधायक श्री खंडेलवाल के निर्देश के बाद अब मरम्मत कार्य ने रफ्तार

पकड़ ली है। बरेठा घाट पर जगह-जगह सड़क़ की मरम्मत, गड्ढों की भराई और किनारों की सफाई का कार्य मजदूरों की सहायता से किया जा रहा है। भारी वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए अस्थायी ट्रैफिक प्रबंधन भी किया गया है। विधायक श्री खंडेलवाल ने एनएचआई के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि सडक़ें जनता की जीवनरेखा हैं, इनकी खराब स्थिति से न केवल असुविधा होती है, बल्कि जानमाल का खतरा भी बढ़ता है। ऐसी स्थिति फिर से न बने, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा भी मरम्मत कार्य की सतत निगरानी की जा रही हैं।

बैंक ने पुलिस को दिए 15 सीसीटीवी कैमरे

अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा में मिलेगी मदद

बैतूल। बैतूल पुलिस को क्रेडिट एक्सिस ग्रामीण लिमिटेड ने 15 सीसीटीवी कैमरे और एक डीवीआर मशीन प्रदान की हैं। यह उपकरण बैंक के वेलफेयर फंड से दिए गए हैं और इसका उद्देश्य जिले में अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा को मजबूत करना है। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देश पर थानों के क्षेत्रों में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना बनाई गई थी। इससे अपराध, सडक़ दुर्घटनाओं, त्योहारों और सार्वजनिक आयोजनों पर नजर रखी जा सकेगी। साथ ही, अपराधियों की पहचान और उनकी तलाश में तकनीकी मदद भी मिलेगी। इस पहल के तहत सभी थाना प्रभारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों और बैंकिंग सेक्टर से सहयोग मांगा था। इसी क्रम में, बैतूल ब्रांच, बडोरा की क्रेडिट एक्सिस ग्रामीण लिमिटेड ने यह मदद दी। इस मौके पर बैंक के डिवीजनल मैनेजर मोहन खिचड़े, एरिया मैनेजर वसूंदी उईके, शाखा प्रबंधक प्रवीण साहू, एच.आर. ट्रेनर जितेंद्र ठाकरे, सहायक ब्रांच मैनेजर इंदर भारती और अन्य स्टाफ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी ने उपकरण स्वीकार किए। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने बैंक प्रबंधकों और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया और अन्य संस्थानों, संगठनों और नागरिकों से जिले की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनाने में सहयोग करने की अपील की।

सीएमएचओ ने तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का किया शुभारंभ

बैतूल। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 9 अक्टूबर को तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैतूल परिसर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे द्वारा रैली को हरी झंडी देकर किया गया। डॉ हुरमाड़े ने बताया कि वर्ष 2025 में तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का आयोजन 60 दिवस के लिए 9 अक्टूबर से 9 दिसम्बर 2025 तक किया जाना है। अभियान के अंतर्गत शिक्षा विभाग द्वारा तम्बाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तम्बाकू मुक्त गांव, पुलिस/गृह विभाग द्वारा कोटपा एवं पीइसीए प्रवर्तन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता, क्षमता निर्माण, नशा मुक्ति सेवाएं दी जाएंगी। जिले के समस्त अस्पताल, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं सबसेंटर पर शुभारंभ कार्यक्रम, मरीजों के लिये टीसीसी केन्द्रों का सुचारू संचालन किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ हुरमाड़े ने बताया कि तम्बाकू, कैंसर, हृदय संबंधी बीमारियां, मधुमेह, दीर्घकालिक फैफड़ों की बीमारियां टीबी, स्ट्रोक, बांझपन, अंधापन, तपेदिक और मुख संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए एक प्रमुख कारक है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि तम्बाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है, तम्बाकू का सेवन न करें क्योंकि तम्बाकू का सेवन करने वालों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य पर भी हानिकारक प्रभाव पड़ता है। रैली कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से प्रारंभ कर अम्बेडकर चौक, पेट्रोल पम्प, बस स्टेण्ड, कोर्ट, कार्यालय कलेक्टर, शिवाजी चौक से होते हुए जिला चिकित्सालय बैतूल में समापन किया गया। रैली में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा तम्बाकू मुक्ती के नारे लगाये गये। नोडल अधिकारी तम्बाकू डॉ शुभांजली बंसोड द्वारा बताया गया कि कोटपा 2003 की धारा 4 सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित, धारा 5 तम्बाकू उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध,

धारा 6 ए,बी शैक्षणिक संस्थान के 100 गज की भीतर विक्री पर प्रतिबंध और 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति द्वारा विक्री पर प्रतिबंध, धारा 7 वैधानिक सचित्र चेतावनी के बिना तम्बाकू की विक्री पर प्रतिबंध हेतु विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही की जाएगी। रास्ते में मोटरसाइकिल सवार के पास तम्बाकू पाउच, सिगरेट पैकेट थैली में रखे पाये गये जिस पर 200 रू. का चालान एवं पान की दुकान पर सिगरेट पीते पाये गये जिन पर 200रू. का चालान किया गया। रैली में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ जगदीश घोरे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जगदीश परिहार, प्रभारी टीकाकरण अधिकारी डॉ प्रांजल उपाध्याय, जिला मलेरिया अधिकारी, प्राचार्या एएनएम प्रशिक्षण अधिकारी, डीपीएम, प्रभारी अधिकारी शहरी क्षेत्र, जिला चिकित्सालय के दंत चिकित्सक, एमएण्डईओ, डीसीएम, सीपीएचसी सलाहकार, एपीएम, नर्सिंग छात्राऐं विजन कॉलेज, एएनएम ट्रेनिंग की छात्रा, डाटा मैनेजर, रामेन्द्र मालवीय, जिला कार्यालय ऑफिस स्टाफ, निर्देश मदरेले, शहरी एएनएम, आशा कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में की 813 गर्भवती महिलाओं की जांच

गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का समय पता लगाने और समय रहते उनका उपचार सुनिश्चित कर सुरक्षित प्रसव करवाने के लिए शुरू किए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रतिमाह के 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि गुरूवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर के आयोजन में जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित शिविर में स्त्री रोग चिकित्सक मानसी नामदेव द्वारा 70 गर्भवती महिलाओ की चिकित्सकीय जांच की गई जिसमें 29 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया, 62 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ कविता सिमैया द्वारा 143 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 40 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर में चिकित्सा अधिकारी डॉ तरूणा काकोड़िया द्वारा 50 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 29 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सिविल अस्पताल आमला खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक नरवरे एवं महिला चिकित्सक डॉ ईवान जेम्स द्वारा 78 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें हाई रिस्क 54 महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचोली में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ वंदना धाकड़ द्वारा 48 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें हाई रिस्क 27 महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ कविता कोरी द्वारा 80 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 46 हाई रिस्क महिला एवं 9 सोनोग्राफी की गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई चिकित्सा अधिकारी डॉ सरिता कालभोर द्वारा 56 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 36 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भक्तामर दिवस मनाया गया

धार। दिगंबर जैन समाज धार द्वारा संत उपाध्याय मुनि श्री विभंजन सागर जी मुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भक्तामर दिवस मनाया। इस अवसर पर आज 9 अक्टूबर को प्रातः सुबह 9 बजकर 9 मिनिट 9 सेकंड पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी जैन धर्मावलंबियों ने मंदिरों में और अपने अपने घरों में भक्तामर स्त्रोत्र का पूरे देश में पूरे विश्व में जैन श्रावकों ने वाचन कर एक रिकार्ड कायम किया। आज के इस अवसर पर मुनि श्री ने समाज के सभी सदस्यों के साथ भोजशाला का अवलोकन किया तथा उसका धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व जाना ।

राजा भोज के समय रचित यह एतिहासिक भक्तामर स्त्रोत्र के रचियता आचार्य मानतुंग स्वामी का गुणानुवाद कर भक्तामर स्त्रोत्र का महत्व बताते हुए कहा कि आज विश्व पटल पर अनेक विद्वानों द्वारा इस स्त्रोत्र की हीलिंग कर अनेक जटिल रोगों का इलाज किया जा रहा है। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ डॉ कमल जैन किशोर जी जैन एवं गोपाल जी शर्मा का विशेष सहयोग रहा। जानकारी मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल ने दी।

6 साल बाद माता-पिता से मिला 13 साल का बालक

बेटे को गले लगाते ही छलक पड़े मां के आंसू, रंग लाए जिला प्रशासन के प्रयास

बैतूल। जिले के शाहपुर तहसील के ग्राम डूडर निवासी सरिता उइके के घर आखिरकार खुशियां लौट ही आईं, जब उन्हें करीब 6 साल बाद अपना बेटा गोविंद उइके वापस मिला। वर्ष 2019 में गोविंद अपने माता-पिता के साथ मजदूरी के लिए हरदा गया था, लेकिन वहां एक खेत मालिक ने उसे बंधक बना लिया था। बालक को उसके परिवार से अलग कर दिया गया था और यह पीड़ा पिछले छह वर्षों से परिवार के साथ थी। बालक को पहले हरदा फिर छिंदवाड़ा से श्रम विभाग, पुलिस प्रशासन, बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) तथा जनसाहस संस्था की संयुक्त पहल से वापस लाकर परिवार से मिलवाया गया। इस पूरी प्रक्रिया में जनसाहस संस्था की प्रतिनिधि पल्लवी टाकरकर द्वारा लगातार समन्वय और प्रयास किया गया, जिसके परिणामस्वरूप बच्चा सकुशल अपने परिवार तक पहुंच सका। जनसाहस संस्था ने बताया कि गोविंद वर्ष 2019 में अपने माता-पिता के साथ हरदा गया था, जहां उसके माता-पिता ने एक खेत मालिक से 50 हजार रुपये की राशि अग्रिम में ली थी। जब यह राशि नहीं लौटा पाए तो खेत

मालिक ने उनके बेटे गोविंद को बंधक बना लिया। जब यह बात जनसाहस संस्था तक पहुंची तो संस्था ने तत्काल हरदा जिला प्रशासन और पुलिस को जानकारी दी, जिसके बाद दबाव बनाकर बालक को छुड़ाया गया। इस मामले में हरदा थाने में खेत मालिक के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई है। लेकिन, बालक के माता-पिता होने का कोई प्रमाण नहीं होने के कारण गोविंद को पहले छिंदवाड़ा भेजा गया। वहां जनसाहस संस्था के प्रयासों से करीब 15 दिनों में उसका जन्म प्रमाण पत्र बनवाया गया, और इसके आधार पर प्रशासन ने उसे बैतूल लाकर माता-पिता को सौंप दिया। गुरुवार को सरिता उइके और उनके पति गोविंद का पुनर्वास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जिला श्रम अधिकारी कार्यालय पहुंचे, जहां उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन मिला। अधिकारी ने बताया कि हरदा से प्रमाण पत्र शीघ्र जारी करवाने की प्रक्रिया की जा रही है।

बेटे को गले लगाते ही छलक पड़े मां के आंसू- बेटे को गले लगाते ही मां सरिता उइके की आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा कि उनका बेटा उनके लिए एक बार फिर जीवन में उजाला लेकर आया है। उन्होंने जिला प्रशासन, श्रम विभाग, बाल कल्याण समिति छिंदवाड़ा, हरदा पुलिस और विशेष रूप से जनसाहस संस्था की पल्लवी टाकरकर तथा सभी मीडिया प्रतिनिधियों का आभार जताया, जिनकी वजह से उनका बच्चा सकुशल घर लौट सका। जनसाहस संस्था लंबे समय से बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी, शोषण और तस्करी जैसे गंभीर मामलों में सक्रियता से कार्य कर रही है, और इस मामले में भी संस्था ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर एक मासूम को जीवन की मुख्यधारा से जोडऩे का काम किया है।

किसानों की दुगुनी आमदनी का रास्ता पशुपालन से संभव : प्रभारी मंत्री श्री पटेल

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए प्रभारी मंत्री

विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के किसानों की दुगुनी आमदनी के लिए उन्नत नस्ल के पशुपालन की राह दिखाई है। इसे आगे बढ़ाने के लिए विभाग विशेष पहल कर रहा उक्त आशय के विचार पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री श्री लखन पटेल ने मंगलवार को विदिशा जिले के ग्राम क्योंटा में आयोजित दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए हैं। प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ने कहा कि किसानों की दुगुनी आय का द्वार पशुपालन से संभव है।

खेती उपज अपनी चरम सीमा पर है। प्रति एकड़ फसल उत्पादन में हो रही वृद्धि को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि अधिकतम पच्चीस से तीस क्विंटल उत्पादन आधुनिक खेती से मिल रहा है। जबकि दुग्ध उत्पादन में अपार संभावनाएं हैं जितने अधिक हम गाय भैंस रखेंगे उतना अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने विभाग के माध्यम से पशुपालकों के हितार्थ में लिए गए निर्णय पर भी प्रकाश डाला है। प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नौकरी में सीमित आमदानी होती है किन्तु खेती, फलोउद्यान और दुग्ध उत्पादन में असिमित होने की पूरी संभावनाएं हैं। बस हम गंभीर हो कर आधुनिक संसाधनों का पूरी ईमानदारी से सदोपयोग करें। मानव जीवन के इस बदलाव स्वरूप में हम कैसे आर्थिक रूप से सशक्त हो यह विचारणीय नहीं क्रियान्वयन का समय है। - पशुपालक से मिले प्रभारी मंत्री - प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल ग्राम क्योटा में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान तहत आयोजित कार्यक्रम के दौरान इसी ग्राम में बडे स्तर पर पशुपालन कर अपनी आय को बढाने वाले पशुपालक श्री नितिन दांगी से मिले।

प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने पशुपालक श्री दांगी की डेयरी का अवलोकन किया है। इस दौरान पशुपालक द्वारा अवगत कराया गया कि वह 2017 से डेयरी का संचालन कर रहे है और अच्छी आय अर्जित कर रहे है। वर्तमान में वह शासन की योजनाओं का लाभ भी ले रहे है और पशु संवर्धन का कार्य कर रहे है। पशु संवर्धन में चैथी पीढी की बछिया भी आ गई है लगातार एआई ओर ईडीटी के माध्यम से बाहर से सीमेन लाकर पशु संवर्धन के कार्यो का संपादन किया जा रहा है। - नस्ल सुधार - पशु पालन एवं डेयरी मंत्री श्री लखन पटेल ने कहा कि प्रदेश में गौवंशीय नस्ल सुधार की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। देशी नस्ल की गायों से उन्नत नस्ल की बछिया जन्मे इसके लिए कृत्रिम गर्भाधान अभियान विशेष तौर पर संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यो की मानीटरिग के लिए नवीन संसाधनों का अधिक से अधिक दोहन किया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप अब दिन भर में क्या क्या गतिविधियों का संचालन किया गया। कृत्रिम गर्भाधान के उपरांत हरेक गाय की मानीटरिग प्रदेश स्तर पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि विभाग के कार्यो से हरेक ग्रामीण सुगमता से अवगत हो की पृथक से रणनीति बनाई गई है। सड़कों पर गाय सड़कों पर गौ- विचरण की समस्यायों के निदान हेतु प्रदेश में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं कि जानकारी देते हुए पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री श्री पटेल ने कहा कि हरेक जिले में पांच से दस हजार गौवंश को रखने के लिए प्रथम चरण में एक एक गौशाला तैयार कराई जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर एक से अधिक गौशालाओं का निर्माण कराया जाएगा। कार्यक्रम को कैलाश रघुवंशी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चैबे, एसडीएम श्रीमती शशि मिश्रा, पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उप संचालक डॉ. एनके शुक्ला समेत विभागीय अन्य अधिकारी ग्रामीण जन मीडियाकर्मी मौजूद रहे।

भावांतर योजना से किसानों को सोयाबीन फसल बेचने पर मिलेगा न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूरा लाभ

शासन द्वारा एमएसपी और मंडी में विक्रय की गई उपज का अंतर सीधे किसानों के बैंक खाते में किया जायेगा जमा

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सोयाबीन उत्पादक किसानों के हित में भावांतर भुगतान योजना को प्रारंभ किया गया है। इस योजना के तहत किसानों को यदि फसल की बिक्री न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दर पर होती है, तो उस अंतर की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जाएगी। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में योजना की व्यापक जनजागरूकता हेतु कृषि विभाग द्वारा किसान संगोष्ठियों, किसान चौपालों, खेत पाठशालाओं एवं रैलियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में विकासखंड पिपरिया के ग्राम डाबका में कृषि विभाग की कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री सभ्यता महोबिया द्वारा किसानों के मध्य भावांतर भुगतान योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने किसानों को योजना के उद्देश्य, पात्रता, पंजीयन प्रक्रिया एवं लाभ प्राप्त करने की संपूर्ण जानकारी प्रदान की।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु कृषकों को ई-उपार्जन पोर्टल पर 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2025 तक पंजीयन करने की सुविधा उपलब्ध है। किसान भाई अपने निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (कियोस्क), सहकारी समिति या एमपी किसान पोर्टल के माध्यम से पंजीयन करवा सकते हैं। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे समय पर पंजीयन कर योजना का लाभ अवश्य प्राप्त करें, जिससे उन्हें अपनी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो।

संक्षिप्त समाचार

आईआईएम इन्दौर के सदस्यों का भ्रमण

विदिशा (निप्र)। आईआईएम इन्दौर के 25 सदस्यों का दल विदिशा जिले के प्रवास पर आया है उक्त दल दस अक्टूबर तक भ्रमण कर ग्राम पंचायतो में शैक्षणिक सहूलियतो को बढाने हेतु अपने उपायो का सांझा करेगा। आईआईएम के सदस्यीय दल ने सोमवार को जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया से सौजन्य मुलाकात की। जिले में प्रवास के दौरान संपादित किए जाने वाले कार्यो, भ्रमण अवलोकन की बिन्दुओं से अवगत कराया गया है। आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक श्री संजय चैरसिया ने बताया कि दल के सदस्यो को जिले की ग्राम पंचायतो में शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। इसके पश्चात प्लान की जानकारी दी जाएगी और ग्यारसपुर जनपद पंचायत में आवासीय भ्रमण कर जानकारियां सांझा की जाएगी। सभी दल के सदस्यों को ग्राम पंचायत रंगई, हांसुआ एवं ग्यारसपुर में प्रतिभागियों से संवाद कराया जाएगा।

समीक्षा बैठक के दौरान फसल कटाई प्रयोग पर विशेष बल दिया

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक के दौरान फसल कटाई प्रयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि तहसीलदार व एसडीएम को निर्धारित प्रतिशत लक्ष्यों के अनुसार फसल कटाई का प्रयोग अपनी उपस्थिति में कराना सुनिश्चित करें। आदेश के परिपालन में सोयाबीन फसल कटाई प्रयोग के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु राजस्व अधिकारियों के द्वारा खेतो में पहुंचकर अपनी उपस्थिति में फसल कटाई का प्रयोग कर आनावारी की जानकारी प्राप्त की जा रही है। नटेरन तहसीलदार श्री आनंद जैन ने अपनी उपस्थिति में ग्राम मूडरा पीताम्बर में पहुंचकर फसल कटाई प्रयोग की प्रक्रिया संपादित कराई है।

भावांतर योजना के पंजीयन कार्यो का जायजा

विदिशा (निप्र)। सिरोंज एसडीएम श्री एचआर विश्वकर्मा ने पटवारियों की बैठक आयोजित कर अनुविभाग क्षेत्र में सोयाबीन फसल लेने वाले सभी कृषकों का भावांतर योजना के तहत पंजीयन कराए जाने पर बल दिया है। उन्होंने पटवारियों को अपने-अपने कार्य क्षेत्रांतर्गत संबंधित किसानो से सम्पर्क कर पंजीयन कराने के लिए निर्धारित प्रक्रिया से अवगत कराया और क्षेत्रो के भ्रमण के दौरान बतलाई गई प्रक्रिया अनुसार भावांतर योजना के पात्रताधारक कृषकों का अनिवार्यतः पंजीयन कराएं। उक्त कार्य में किसी भी प्रकार की दिक्कत आती है तो अविलम्ब वरिष्ठ कार्यालयों को अवगत कराएं। बैठक में तहसीलदार श्री संजय चैरसिया के अलावा सभी पटवारी मौजूद रहे।

एनआईएमएचआर में निशुल्क सीआरई कार्यक्रम आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान में एनआईईपीआईडी, एनआईएमएचआर एवं जय वकील फाउंडेशन द्वारा ÷एनआईईपीआईडी दिशा पाठ्यक्रम प्रशिक्षण÷ के तहत निशुल्क सीआरई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उप संचालक श्री महेश यादव एवं एनआईएमएचआर के निदेशक डॉ. अखिलेश कुमार शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में कुल 60 पुनर्वास पेशेवरों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

गुरु गोविंद सिंह शाखा ने पथ संचलन निकाला

बैतूल, निप्र। बैतूल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर देशभर में पथ संचलन निकाला जा रहा है। इसी क्रम में अवस्थी पेट्रोल पंप के पीछे गोठाना गुरु गोविंद सिंह शाखा के द्वारा पथ संचलन शहर के निर्धारित मार्गो से निकाला। शाखा कार्यवाह ने बताया गुरु गोविंद सिंह बस्ती के 250 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शिवराज झाड़े ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर शताब्दी समारोह मनाया जा रहा है। इसके साथ ही पंच परिवर्तन जिसमें सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, स्व का बोध, नागरिक शिष्टाचार के बारे में विस्तार से बताया।

कलेक्ट्रेट परिसर में स्वच्छता श्रमदान अभियान का आयोजन

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार स्वच्छता को संस्थागत रूप देने के विशेष अभियान स्पेशल कैंपेन 5.0 के तहत मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती तृप्ति पटेरिया ने भाग लेकर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने हाथों से परिसर की सफाई करते हुए यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल एक सरकारी अभियान नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। श्रमदान के दौरान परिसर से गंदगी, कचरा और पॉलीथिन हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट के अधिकारी, कर्मचारी एवं नगर पालिका के कर्मचारीगण सक्रिय रूप से शामिल हुए। सभी ने मिलकर परिसर को स्वच्छ बनाते हुए आम नागरिकों से भी अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

मीडिएशन फॉर द नेशन विशेष मध्यस्थता अभियान के तहत सीहोर जिले में 215 मामले सौहार्दपूर्ण ढंग से किए गए निराकृत

सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य एवं न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती स्वप्नश्री सिंह के निर्देशानुसार सीहोर जिले में मीडिएशन फॉर द नेशन 90-दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया गया।

अभियान के दौरान, मध्यस्थता के माध्यम से सीहोर जिले में 215 एवं संपूर्ण मध्य प्रदेश में कुल 4,552 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया, जिनमें काफी संख्या में लंबे समय से लंबित पुराने मामले भी शामिल थे। निपटाए गए मामलों में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस

मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण और अन्य दीवानी मामले शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मीडिएशन एंड कॉन्सिलिएशन प्रोजेक्ट समितिके निर्देशानुसार 01 जुलाई 2025 से मीडिएशन फॉर द नेशन नामक 90-दिवसीय विशेष अखिल भारतीय मध्यस्थता अभियान शुरू किया गया। इस अभियान का उद्देश्य राज्य भर में तालुका न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालयों तक न्यायपालिका के सभी स्तरों पर मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों का निराकरण करना था।

मीडिएशन फॉर द नेशन अभियान का उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों के समाधान में तेजी लाना और व्यय व समय की बचत करने वाले विवाद समाधान तंत्र के रूप में इसकी प्रभावशीलता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है, जिसमें भागीदारी के ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड तरीके उपलब्ध हैं। यह अभियान विवादों को सुलझाने, अदालतों पर बोझ कम करने और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में मध्यस्थता की भूमिका को दर्शाता है।

सक्षम कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय उन्मुखीकरण एवं समीक्षा बैठक संपन्न

बैतूल (निप्र)। सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड शाहपुर में प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कुल 71 प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापक सम्मिलित हुए। सहायक आयुक्त श्री विवेक कुमार पांडे ने ऑनलाइन जुड़कर सभी विद्यालय प्रमुखों से संवाद किया तथा सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों की समीक्षा की। साथ ही सक्षम कार्यक्रम के सत्रों कों प्रत्येक शाला की समय सारणी से जोड़कर गुणवत्तापूर्ण संचालन किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की त्रुटि या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री जीआर बर्डे ने शिक्षण कार्यों एवं स्टाफ दायित्वों में समानता लाने की दिशा में अपने विचार साझा किए और निर्देश दिए कि संकुल प्राचार्य मासिक बैठक में सक्षम एजेंडा की समीक्षा को अनिवार्य रूप से शामिल करें। ब्लॉक स्त्रोत समन्वयक श्री राधेलाल भादे ने सभी संकुल प्राचार्यों एवं सीएसी को प्रतिमाह 2-3 एसक्यूएमएफ फॉर्म भरने के निर्देश दिए, ताकि विद्यालयों में सतत शैक्षणिक गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित की जा सके।कार्यशाला के दौरान वर्ष 1 एवं 2 के जीवन कौशल मॉड्यूल्स पर विशेष चर्चा हुई। संदीपनि

बालक शाला शाहपुर के प्राचार्य श्री कमलेश शर्मा सर द्वारा विद्यालय में संचालित सक्षम कार्यक्रम कों लेकर अपने अनुभव साझा किए गए। साथ ही मास्टर ट्रेनर श्री गणेश कुमरे द्वारा डेमो सत्र आयोजित किया गया, जिनमें वास्तविक शिक्षण प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। जेंडर ट्रांसफॉर्मेटिव दृष्टिकोण पर भी विचार-विमर्श किया गया तथा शिक्षण में इसे एकीकृत करने के व्यावहारिक उपायों पर चर्चा की गई। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री निष्ठा सौदावत ने सक्षम कार्यक्रम के पूर्व वर्षों की उपलब्धियों एवं अनुभवों का विश्लेषण प्रस्तुत किया और जिला स्तर पर चल रही गतिविधियों की झलक साझा की। ब्लॉक प्रबंधक श्रीमती मीना सातनकर ने सक्षम कार्यक्रम के विभिन्न कंपोनेंट्स पर चर्चा करते हुए सेशन रिपोर्टिंग, एल.एम.एस प्रणाली, मैजिक मित्र चैटबॉट एवं लाइव एसक्यूएमएफ का डेमो सेशन दिया और जीवन कौशल सत्र क्रमांक 7 का आयोजन सत्र संरचना और बारीकीयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। इस एक दिवसीय कार्यशाला में शाहपुर विकासखंड के प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को सक्षम कार्यक्रम के सफल संचालन और विद्यालय में सत्रों की प्रभावी निगरानी के लिए सशक्त किया।

ग्रामीण परिवेश को समझने हरदा पहुंचे आईआईएम इंदौर के छात्र छात्राएं

हरदा (निप्र)। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) इंदौर के छात्र-छात्राएं 6 से 10 अक्टूबर तक जिला हरदा के ग्रामीण परिवेश में रहकर शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को समझेंगे। इस दौरान छात्र छात्राएं पंचायत ग्रामीण विकास विभाग में संचालित आजीविका मिशन योजना में लखपति दीदी से संपर्क, स्व सहायता समूह, संकुल स्तरीय संगठन की प्रबंधन प्रक्रिया, आजीविका गतिविधियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करेंगे। इसके अलावा स्व सहायता समूह, सीएलएफ की दीदियों संवाद करने का अवसर मिलेगा, जिससे ग्रामीण जीवन की वास्तविक चुनौतियों और संभावनाओं को समझने में मदद मिलेगी।

आईआईएम इंदौर के प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार के अनुभवात्मक भ्रमण छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान और नेतृत्व कौशल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रवीण कुमार इवने ने सोमवार को जिला पंचायत सभागार में सभी से चर्चाकर जिले में चल रही ग्रामीण विकास विभाग की योजनाएं ,समूह द्वारा की जा रही गतिविधियो की जानकारी दी। इस दौरान 24 छात्र , छात्राओं के चार दल बना कर हरदा विकास खंड की ग्राम पंचायत हंडिया, खिरकिया के चिकलपाट, छुरीखाल एवं टिमरनी के रायबोर ग्राम में भ्रमण हेतु रवाना किया ।

किसानों ने ट्रेक्टर रैली के माध्यम से भावांतर योजना का किया स्वागत

विदिशा (निप्र)। खरीफ उपार्जन वर्ष 2025 (विपणन वर्ष 2025-26) में मप्र शासन द्वारा सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना प्रारंभ की गई है, आज मंगलवार को किसानों के द्वारा ट्रेक्टर रैली के माध्यम से भावांतर योजना का स्वागत किया गया है। 132 ट्रेक्टरों के साथ लगभग 500 कृषक बंधु ट्रेक्टर रैली में शामिल हुए हैं। ट्रेक्टर रैली के माध्यम से सोयाबीन भावांतर भुगतान योजना का लाभ लेने हेतु कृषकों को 17 अक्टूबर 2025 तक अधिक से अधिक सोयाबीन के पंजीयन किये जाने तथा अपनी उपज कृषि मंडियों में 24 अक्टूबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक भावांतर योजनांतर्गत विक्रय करने की सूचना लाउडस्पीकर, ध्वनि यंत्रों, तख्तियों व वैनर फ्लैक्स के माध्यम से प्रसारित की गई। उक्त रैली पुरानी मंडी प्रांगण से मुख्य अतिथि एवं विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ की गई। यह रैली पीतलमील चैराहा, दुर्गानगर चैराहा एवं बस स्टेण्ड से होते हुये ईदगाह चैराहे के पास कलेक्ट्रेट परिसर में सम्पन्न हुई।

विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने जिले के समस्त किसानों से सोयाबीन भावांतर योजना का लाभ लेने के लिये 17 अक्टूबर 2025 तक अधिक से अधिक पंजीयन कराने की अपील की है। इस दौरान विधायक श्री मुकेश टंडन, कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री धनराज सिंह दांगी, श्री सुरेन्द्र सिंह चैहान सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा, जिला सहकारी बैंक के सीईओ श्री विनय प्रकाश सिंह, सहायक संचालक कृषि विदिशा श्री महेन्द्र कुमार ठाकुर, श्रीमति अविना परिहार सहायक संचालक कृषि, श्रीमति नीलकमल वैद्य सचिव कृषि उपज मंडी के साथ 132 ट्रेक्टरों के साथ लगभग 500 कृषक बंधु ट्रेक्टर रैली में शामिल हुए।

भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को संजोने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : मुख्यमंत्री

श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा ज्ञान-संस्कार और भक्ति का अद्भुत संगम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा में शामिल सभी संतों, तीर्थ पुरोहित महासंघ, धर्म यात्रा महासंघ और विश्व हिंदू परिषद का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज उज्जैन एक अद्भुत क्षण का साक्षी बन रहा है। यात्रा में सम्मिलित सभी सहभागी उस मार्ग पर चलकर आए हैं, जिस पर हमारे आराध्य श्रीकृष्ण शिक्षा ग्रहण करने के लिए मथुरा से उज्जैन स्थित आचार्य सांदीपनी के आश्रम पधारे थे। संतगण को उस पावन मार्ग से गुजरने का अवसर मिला, जहां श्रीकृष्ण की चरणरज पड़ी थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मथुरा से आरंभ श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा के उज्जैन में आयोजित समापन समारोह को भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि मथुरा से 5 अक्टूबर को आरंभ हुई यात्रा जयपुर, कोटा, झालावाड़ और आगरा होते हुए उज्जैन पहुंची थी। उज्जैन के समापन कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथ महाराज, विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह, तीर्थ पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रयागनाथ चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

हमारी संस्कृति हमें समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए जीना सिखाती है- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांदीपनी आश्रम गुरू-शिष्य परम्परा की अनादि महिमा का साक्षात प्रतीक है। जहां हर कण में श्रीकृष्ण की विनम्रता, बलराम की शक्ति और सुदामा की भक्ति समाई हुई है। हमारे गुरूकुल आदि काल से भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न अंग हैं। सांदीपनी आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण ने शिक्षा पाई और संसार को गीता का उपदेश देकर योगीराज बने। हमारी सनातन संस्कृति का परम ज्ञान परमार्थ है। हमारी संस्कृति हमें समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए जीना सिखाती है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ग्रामवासियों की रक्षा की और कुरूक्षेत्र में अर्जुन को गीता के माध्यम से धर्म और कर्तव्य का मार्ग दिखाया। उनका सारा जीवन समाज और धर्म की रक्षा के लिए था।

दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में बनेंगे वृंदावन गांव- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण गुरूकुल शिक्षा यात्रा ज्ञान, संस्कार और भक्ति का अद्भुत संगम है। यह यात्रा नई पीढ़ी में नैतिकता, आत्मविकास और भारतीय संस्कृति का दीप प्रज्जवलित करने का प्रयास है। राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण की स्मृतियों को संजोने का कार्य कर रही है। श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली उज्जैन, श्रीकृष्ण और सुदामा का मैत्री स्थल ग्राम नारायणा, रूक्मिणी वरण के स्थल धार जिले के अमझेरा और विनम्रता का संदेश देने वाले स्थल जानापाव (इंदौर) को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। श्रीकृष्ण पाथेय के मार्ग पर आने वाले वन, जल संरचनाओं और उद्यानों का भी संरक्षण किया जाएगा। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वृंदावन गांव बनाने का निर्णय लिया गया है। राज्य में गीता जयंती भी मनाई जाएगी।

सिंहस्थ-2028 का आयोजन अद्वितीय वैभव के साथ होगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में वेद-वेदान्त विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। अमझेरा में चित्रकला, मूर्तिकला और पारम्परिक नृत्य-संगीत कला की शिक्षा दी जाएगी तथा इसे श्रीकृष्ण-रूक्मणी लोक के नाम से जाना जाएगा। जानापाव में सुदर्शन लोक की स्थापना की जाएगी, जहां आयुध कौशल के साथ-साथ पारम्परिक और आधुनिक युद्ध शैली का ज्ञान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 का आयोजन अद्वितीय वैभव के साथ किया जाएगा। राज्य सरकार प्रदेश में सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में कोई कमी नहीं रहने देगी। उन्होंने प्रदेशवासियों से भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा परम्परा को जीवन में आत्मसात करने का आव्हान भी किया।

उज्जैन में आयोजित समापन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संतगण की उपस्थित रही। इनमें महामण्डलेश्वर श्री शांतिस्वरूपानंद जी सरस्वती, महामण्डलेश्वर श्री आचार्य शेखर जी, महामण्डलेश्वर श्री शैलेषानंद जी गिरी, जूना अखाड़ा, महामण्डलेश्वर श्री ज्ञानदास जी महाराज निर्मोही अखाड़ा, महामण्डलेश्वर श्री भागवतानंद गिरी जी, अंवतिका पीठाधीश्वर, श्री रंगानाथाचार्य जी महाराज, महामण्डलेश्वर श्री मनीष महाराज ददुवा आश्रम तथा तिरूपतिधाम युवराज राघवेन्द्र जी प्रमुख है। इस अवसर पर धर्मयात्रा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक कोटवाणी, तीर्थ पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सुरेन्द्र चतुर्वेदी तथा प्रदेश अध्यक्ष श्री मनीष उपाध्याय और कांवड़ यात्रा संयोजक श्री रतनलाल अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

एमपी में अब दिन में धूप, रात में ठंडक

पूर्वी हिस्से में 2 दिन बूंदाबांदी के आसार 12 जिलों से मानसून विदा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में दिन में तेज धूप खिलेगी और रात में गुलाबी ठंड का अहसास होने लगेगा। मौसम विभाग ने 2 से 3 दिन में पूरे प्रदेश से मानसून की विदाई के संकेत दिए हैं। पूर्वी हिस्से में 3 दिन तक बूंदाबांदी के आसार जरूर है। बुधवार को प्रदेश में कहीं भी बारिश रिकॉर्ड नहीं की गई।

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 12 जिले- ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर और रतलाम से मानसून पूरी तरह से विदा हो चुका है, जबकि राजगढ़ और अशोकनगर के कुछ हिस्से से लौटा है। अभी प्रदेश में बारिश होने का कोई सिस्टम एक्टिव नहीं है। इन वजहों से पूरे प्रदेश से मानसून के लौटने की परिस्थितियां अनुकूल हुई है।

अगले 3 दिन धूप-छाव और बूंदाबांदी वाला मौसम- मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अगले 3 दिन धूप-छाव और बूंदाबांदी वाला मौसम रहेगा। पूर्वी हिस्से के जिलों में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर में दिन में तेज धूप खिली रहेगी।

इधर, कई शहरों में रात का पारा 18 डिग्री तक पहुंच गया है। 8-9 सितंबर की बात करें तो धार, इंदौर, राजगढ़ में तापमान 17.6 से 17.7 डिग्री के बीच रहा। भोपाल में 19.6 डिग्री, उज्जैन में 19 डिग्री, ग्वालियर में 22.1 डिग्री और जबलपुर में 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भोपाल के गोकुलधाम में 400 घरों में 'बत्ती' गुल

बिजली कंपनी के दफ्तर पहुंचे रहवासी, बोले- बिल्डर पर कार्रवाई करें

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गांधीनगर जेल रोड स्थित गोकुलधाम सोसायटी के करीब 400 घरों में बिजली कनेक्शन काटने के मुद्दे पर गुरुवार को कई लोग बिजली कंपनी के दफ्तर पहुंच गए। उन्होंने बार-बार कनेक्शन काटने की कार्रवाई को गलत बताया। कहा कि बिल्डर ने हमें ठगा है, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

दो दिन पहले भी बिजली कंपनी ने सोसायटी का बिजली

कनेक्शन काट दिया था। इससे लोगों को रातभर अंधेरे में रहना पड़ा था। इसके चलते कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने सोसायटी में पहुंचकर खुद बिजली कनेक्शन जोड़ दिया था। हालांकि, इसके बाद बिजली कंपनी ने फिर से कनेक्शन काट दिया था।

कांग्रेसियों के साथ बिजली कंपनी के दफ्तर पहुंचे लोग- कॉलोनी के लोग गुरुवार को कांग्रेस नेता शुक्ला के साथ महाप्रबंधक शहर वृत्त कार्यालय पहुंचे। अधिकारी से मुलाकात कर चर्चा की कि गोकुलधाम सोसायटी को द्वारकाधीश हवेली बिल्डर्स ने विकसित किया है। वर्ष 2012-13 से अब तक कॉलोनी में विकास के नाम पर कोई कार्य नहीं किया गया है, जबकि गोकुलधाम एवं द्वारकाधाम कॉलोनी T&CP (टाउन × कंट्री प्लानिंग) से मान्यता प्राप्त है। पिछले 12 वर्ष से बिल्डर द्वारा कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं, जिसके कारण यहां के निवासियों द्वारा लगातार शिकायतें की गईं। बावजूद कॉलोनी में अब तक कोई विकास कार्य नहीं किया गया है। रहवासियों ने नियमित रूप से बिजली का बिल भरा, लेकिन बिल्डर ने यह राशि बिजली कंपनी को नहीं दी। इसके कारण उनके घरों की बिजली काट दी जा रही है। रहवासियों ने कहा कि उनके घरों का बिल्डर से जुड़ा कनेक्शन हटा कर नए मीटर लगाए जाएं, ताकि बिजली सुचारू रूप से मिल सके। इस मौके पर गोकुलधाम सोसायटी की अध्यक्ष सुजाता पांडे, दीपक दीवान, विवेक शर्मा, अशोक सक्सेना, सुरेश सक्सेना, जगदीश शर्मा और आर.के. सोनी भी मौजूद थे।

पन्ना में चूहा मार दवा खाने से नवविवाहिता की मौत

प्रताड़ना का आरोप, पति बोला- एंबुलेंस में दी जहर खाने की जानकारी

पन्ना (नप्र)। पन्ना जिले में चूहा मार दवा का सेवन करने से एक 22 वर्षीय नवविवाहिता की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के मायके वालों ने उसके पति पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

मुड़वारी थाना पवई निवासी सुमन कबीरपंथी (22) पति इंद्र कुमार ने 8-9 अक्टूबर की रात अपने ससुराल में चूहा मार दवा खा ली थी। हालत बिगड़ने पर ससुराल वाले उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुन्नौर ले गए। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला चिकित्सालय पन्ना रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

मृतका की बहन किरण ने पति इंद्रकुमार पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। किरण ने बताया कि उसकी बहन सुमन की शादी 10 मई 2022 को मुड़वारी निवासी इंद्रकुमार से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही पति इंद्रकुमार सुमन को प्रताड़ित करता था और मारपीट भी करता था।

किरण ने यह भी बताया कि बच्ची होने के बाद जब मायके वालों ने बच्ची का नाम पूछना चाहा, तो पति ने कहा कि जो रखना है रख दो, जिससे उनकी उदासीनता स्पष्ट होती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोपाल की जानवी केबीसी जूनियर की हॉट सीट पर पहुंची

90 सेकेंड में 10 सवालों के दिए सही जवाब, पिता ट्रेन में बेचते हैं साबुन-टूथपेस्ट

भोपाल (नप्र)। मेहनत और सपनों का संगम हो तो किसी झोपड़ी में भी रोशनी जगमगा सकती है। भोपाल के नरियलखेड़ा की 11 साल की जानवी पुरसवानी ने 'कौन बनेगा करोड़पति जूनियर' के मंच पर यही साबित कर दिखाया। सीमित साधनों वाले घर से निकली इस बच्ची ने अमिताभ बच्चन के सामने बैठकर 5 लाख रुपए जीते।

जानवी के हाजिर जवाब अंदाज ने शो में मौजूद हर किसी का दिल जीत लिया। जब अमिताभ बच्चन ने सवाल पूछे तो जानवी ने बड़ी मासूमियत से कहा सर, जब टीवी में देखते हैं, तब आप ज्यादा अच्छे लगते हैं। अब तो मुझे यकीन हो गया कि आप वीडियो में फिल्टर लगाते हैं। अमिताभ बच्चन पहले तो मुस्कुरा दिए, फिर मजाकिया लहजे में बोले- देवी जी, हमें माफ कर दीजिए।

जानवी ने बताया-मैंने तो बस वही बोला जो मन में आया। डर नहीं लगा सर से, उन्होंने तो मुझे प्यार से देवी जी कहा।

जानवी के पिता ट्रेन में बेचते हैं साबुन-टूथपेस्ट- जानवी के पिता चेतन पुरसवानी ट्रेन में साबुन, टूथपेस्ट, ब्रश जैसे सामान बेचते हैं। पैर से दिव्यांग होने के बाद अब मुश्किल से काम कर पाते हैं। मां मीना अगरबत्ती फैक्ट्री में डीपिंग का काम करती हैं। उन्हें रोज 200-250 रुपए की मजदूरी मिलती है। घर दो कमरों का है, किराया 3,000 रुपए और ऊपर से बिजली का बिल।

चेतन पुरसवानी बताते हैं कि मेरी

बेटी शुरू से ही पढ़ाई में फर्स्ट आती है। मैं खुद 11वीं तक पढ़ा हूं, थोड़ा बहुत सवाल मैं भी पूछता था। रात को अनमोल (टीचर के बेटे) के साथ बैठकर पढ़ती थी। अब उसका सपना है कि वो डॉक्टर बने और हम सबका नाम रोशन करे।

करीब पांच साल पहले भोपाल की शिक्षिका डॉ. ऊषा खरे केबीसी के 'कर्मवीर स्पेशल' एपिसोड में आई थी, उन्होंने जानवी से मुलाकात की।

चयन की खबर सुनकर पिता की आंखों से छलक पड़े आंसू- जानवी की मां ने बताया कि तीन साल से इसके पापा इसका रजिस्ट्रेशन करा रहे थे। हर बार कुछ ना कुछ दिक्कत आ जाती थी। इस बार जब फोन आया कि जानवी का चयन हो गया है, तो खुशी में पापा की आंखों से आंसू निकल आए। अब हमारी बेटी ने हमारे सपने पूरे कर दिए।

मीना भावुक होकर कहती हैं कि जानवी कहती है कि डॉक्टर बनेगी और उन गरीबों का इलाज करेगी, जिनके पास इलाज के पैसे नहीं होते। उसके पापा की तबीयत भी ठीक नहीं रहती, इलाज पूरा नहीं करा पाए। इसलिए वो कहती हैं कि जिनके पास पैसे नहीं होंगे, मैं मुफ्त इलाज करूंगी।

टीचर बोलीं- अनुशासित, संस्कारी और आत्मविश्वासी है जानवी- जानवी सरस्वती विद्या मंदिर, दीनदयाल कॉलोनी में पांचवीं कक्षा में पढ़ती है। उसकी क्लास टीचर किरण अग्रवाल बताती हैं कि जानवी बहुत अनुशासित और संस्कारी बच्ची है। अगर कभी डांट दूं तो तुरंत जवाब नहीं देती, बाद में आकर कहती है 'सॉरी दीदी, मुझसे गलती हो गई।' उसका कॉन्फिडेंस इतना मजबूत है कि हम टीचर भी उससे प्रेरित होते हैं।

किरण की प्रेरणा से उनके बेटे अनमोल अग्रवाल ने जानवी को ऑनलाइन कोचिंग दी। वो बताते हैं कि जब पता चला कि जानवी केबीसी में जा रही है, तो मैंने हिस्ट्री और जनरल नॉलेज की प्रैक्टिस कराई। रोज रात 8 बजे से लेकर सवा घंटे तक ऑनलाइन क्लास होती थी।

मैंने उसको समझाया कि फास्ट फिंगर फर्स्ट में स्पीड और कॉन्फिडेंस दोनों चाहिए। वो बहुत ध्यान से सुनती थी। मैंने उसे इतिहास की पूरी टाइमलाइन समझाई, सिंधु घाटी से लेकर स्वतंत्र भारत तक। भले वो सवाल नहीं आया, लेकिन उसकी समझ बहुत बढ़ गई।

90 सेकेंड में 10 सवालों के सही जवाब देकर सबको चौंकाया

जानवी ने शो में 'सुपर संदूक' राउंड तक खेला। 90 सेकेंड में 10 सवालों के सही जवाब देकर सबको चौंका दिया। उन्होंने कहा कि अमिताभ सर बोले थे, अगर सब सही करोगी तो तुम्हें हमारे घर खाने पर बुलाऊंगा, जानवी हंसते हुए कहती है। अब वो खुद फोन लगाकर बुलाएंगे। वो आगे बताती हैं कि एक सवाल था- 'इनमें से किसका जन्म 30वीं सदी में हुआ था?' मैंने गलती से राजिया सुल्तान बोल दिया, जबकि सही जवाब रानी अहिल्याबाई बाई था। फिर भी मुझे 5 लाख रुपए मिले। अमिताभ सर बोले-देवी जी, आप कुछ नहीं खोएंगी।

प्राचार्य बोले- सामान्य परिवार की बच्ची, असाधारण हिम्मत

स्कूल प्राचार्य दिनेश सिंह राठौर कहते हैं कि जब केबीसी की टीम ऑडिशन के लिए आई थी, तभी समझ गए थे कि जानवी कुछ अलग है। उसका आत्मविश्वास और विनम्रता ही, उसकी असली ताकत है। हम सबको गर्व है कि इतने सामान्य परिवार से आई बच्ची ने राष्ट्रीय मंच पर नाम कमाया।

ऊषा खरे से जानवी तक, भोपाल की बेटियां रच रहीं इतिहास

करीब पांच साल पहले भोपाल की शिक्षिका डॉ. ऊषा खरे केबीसी के 'कर्मवीर स्पेशल' एपिसोड में दिखी थीं। उन्होंने जानवी और उसके परिवार से मुलाकात की, उन्हें पुरस्कृत भी किया। ऊषा खरे ने कहा- मुझे अपने एपिसोड से ज्यादा खुशी जानवी के शो में जाने की है। इतनी कम उम्र और इतने अभावों में पली बच्ची ने जो किया है, वो मिसाल है। उसने न सिर्फ भोपाल बल्कि पूरे मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है।

रीवा में बच्चा स्ट्रेचर पर तड़पता रहा, परिजन भटकते रहे, ड्रिप पकड़कर दादी खड़ी रही, मौत

संजय गांधी अस्पताल ने माना- इलाज देर से शुरू हुआ

रीवा (नप्र)। रीवा के संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल (एसजीएमएच) में 5 दिन से भर्ती 13 साल के बच्चे की मौत हो गई। महोबा का मनीष साहू 30 सितंबर को आकाशीय बिजली की चपेट में आकर झुलस गया था। उसे पन्ना से रेफर किया गया। 3 अक्टूबर को परिजन उसे संजय गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इस दौरान परिजन हाथ में ड्रिप की बॉटल पकड़े हुए स्ट्रेचर पर बच्चे को लेकर भटकते रहे। स्टाफ ने उन्हें बर्न वार्ड भेजा। यहां बच्चे को भर्ती करने से मना कर दिया गया। बाद में उसे 7 नंबर वार्ड भेजा गया, लेकिन वहां भी भर्ती नहीं किया गया। मामले में अस्पताल की ही जांच रिपोर्ट में बड़ी लापरवाही का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, विभागों के बीच तालमेल न होने के कारण मनीष का इलाज 2 घंटे देरी से शुरू हुआ।

काफी मिन्नतें करने पर बच्चे को ड्रिप लगाई- परिजन काफी परेशान हो गए थे। कई मिन्नतें करने के बाद स्टाफ ने बच्चे को ड्रप लगाई। ड्रिप को मनीष की दादी खुद पकड़कर हाथ ऊपर करके खड़ी रही। परेशान होकर परिजन ने वहीं से सीएम हेल्पलाइन पर फोन कर शिकायत की। तब जाकर 2 घंटे की देरी से उसे बच्चा वार्ड में भर्ती किया गया। तब तक उसकी हालत काफी बिगड़ चुकी थी।

पन्ना से रेफर होकर बच्चा रीवा लाया गया था- मनीष साहू को 30 सितंबर को पन्ना जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था। तबीयत ठीक होने पर वह पन्ना में था, जहां अचानक उसकी तबीयत फिर बिगड़ी। पन्ना जिला अस्पताल से उसे गंभीर हालत में रीवा के गांधी मेमोरियल अस्पताल के लिए रेफर किया गया था, जहां इलाज में देरी के चलते उसकी मौत हो गई।

जांच रिपोर्ट में तालमेल की कमी सामने आई- मामला मीडिया में आने के बाद अस्पताल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा ने तीन सदस्यों की एक जांच टीम बनाई थी। जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट अधीक्षक को सौंप दी है। रिपोर्ट में यह साफ तौर पर माना गया है कि घायल बच्चे का इलाज शुरू होने में विभागों के बीच समन्वय की भारी कमी थी, जिसकी कीमत बच्चे को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

कार्रवाई की जगह, तालमेल सुधारने की बात- जांच रिपोर्ट में लापरवाही उजागर होने के बावजूद जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई को लेकर कोई ठोस बात नहीं कही गई है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा अब विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने की बात कह रहे हैं। उन्होंने बस इतना कहा कि इस मामले में अस्पताल प्रबंधन द्वारा आगामी कार्रवाई की जा रही है। इस तरह के संवेदनशील मामले में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उज्जैन ट्रिब्यूनल कोर्ट का फैसला

एक्सीडेंट में मृतक के परिजनों को 81 लाख मुआवजा

डिजायर कार ने माधव कॉलेज भृत्य को मारी थी टक्कर

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के माधव कॉलेज में कार्यरत भृत्य की कार एक्सीडेंट में मौत के मामले में इंश्योरेंस कम्पनी के खिलाफ उज्जैन ट्रिब्यूनल ने फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल ने मौत को सीधे दुर्घटना की चोटों से जोड़ते हुए कार चालक की पूर्ण जिम्मेदारी तय की और मृतक की मां और बेटे को 81 लाख रुपए ब्याज सहित दो महीने में देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने यह फैसला 7 अक्टूबर, मंगलवार को सुनाया है।

डिजायर कार से हुआ था एक्सीडेंट- मामले की कोर्ट में पैरवी करने वाले एडवोकेट कैलाशचंद्र पाटीदार और आदित्य पाटीदार ने बताया कि मनोज कुमार ठाकुर 12 नवंबर 2022 को कॉलेज के बाद रुकमणि पेट्रोल पंप के सामने मोड़ पर से होते हुए घर जा रहे थे। इस दौरान मारुति स्विफ्ट डिजायर कार (नंबर एमपी-13-सीई-1506) के चालक विशाल पाटीदार ने मनोज की मोटरसाइकिल (नंबर एमपी-13-एफएम-3186) को जोरदार टक्कर मारी दी। घटना में सिर, हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें लगने से उनका लंबा इलाज चला। सिविल अस्पताल उज्जैन और अन्य चिकित्सालयों में संघर्ष के बावजूद 2 फरवरी 2023 को उनकी मौत हो गई।

इंश्योरेंस कंपनी को भुगतान के आदेश- चिमनगंज मंडी थाने की एफआईआर (क्राइम नंबर 757/2022) के आधार पर चालक के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई थी। मृतक का पत्नी से तलाक हो चुका था। इसलिए मृतक की मां कलाबाई (67) और बेटे अथर्व (12,नाबालिग) ने कोर्ट में केस दाखिल किया था। द्वितीय मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, उज्जैन ने क्लेम प्रकरण संख्या 189/2023 में मृतक मनोज कुमार ठाकुर के परिजनों को ब्याज सहित 81 लाख रुपए की भारी-भरकम क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने का आदेश जारी किया है।

यह राशि यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को अनिवार्य रूप से भुगतान करने के आदेश दिए हैं, जिसमें 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर भी देना होगी। लगभग 81 लाख रुपयों का मुआवजा राशि का आदेश हुआ जारी यदि कंपनी दो महीने के अंदर राशि का भुगतान करने में विफल रहती है, तो आदेश की तारीख से 9 प्रतिशत की दर से दंडात्मक ब्याज लगेगा।